PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 327 ● भिलाई, सोमवार 13 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

रामलला के खजाने पर डाका डाल शेयर बाजार में लगाते थे पैसा

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दरबार में भक्तों द्वारा चढ़ाए गए दान की चोरी मामले में एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रामलला के खजाने पर डाका डालने वाले शातिर आरोपी इस चोरी के पैसे को सिर्फ ऐशो-आराम में नहीं उड़ा रहे थे, बल्कि इसे सफेद करने के लिए शेयर बाजार में भी मोटा दांव खेल रहे थे। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपियों ने एक पूरी साजिश के तहत दान के काले पैसे को 'नंबर एक' बनाने का खेल रचा था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने आरोपियों के कई रिश्तेदारों और करीबियों के खातों पर भी कड़ा शिकंजा कस दिया है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक, चढ़ावे से चुराए गए कैश को आरोपी सीधे अपने खातों में जमा नहीं करते थे। पैसों का असली सोर्स छिपाने के लिए पहले इस नकदी को रिश्तेदारों और जानकारों के बैंक अकाउंट में जमा कराया जाता था। इसके बाद वही पैसा ट्रांसफर के जरिए आरोपियों के निजी खातों में पहुंचता था, ताकि इसे पूरी तरह से वैध कमाई दिखाया जा सके।

तृणमूल में बढ़ी हलचल, अनुब्रत मंडल के पार्टी छोड़ने की अटकलें

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है, जहाँ ममता बनर्जी के अत्यंत विश्वसनीय सहयोगी माने जाने वाले अनुब्रत मंडल के अब उनके खेमे को छोड़कर ऋब्रत बनर्जी के गुट में शामिल होने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूत्रों का दावा है कि दोनों पक्षों के बीच इस राजनीतिक बदलाव को लेकर सारी बातचीत अंतिम चरण में है और शनिवार को इसकी औपचारिक घोषणा की जा सकती है। यह घटनाक्रम राज्य की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस के भीतर बढ़ते आंतरिक असंतोष को उजागर करता है। मीडिया रिपोर्ट्स और सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को विधानसभा में हुई राजनीतिक हलचलों के बाद ऋब्रत खेमे के एक विधायक ने अनुब्रत मंडल से दूरभाष पर संपर्क किया था। इसी संवाद के दौरान अनुब्रत मंडल ने नए खेमे में शामिल होने पर अपनी सहमति व्यक्त की है। बताया जा रहा है कि इस राजनीतिक जुड़ाव के पीछे एक बड़ा प्रस्ताव है।

वायनाड भूस्खलन पांच दिन बाद भी नहीं मिला विक्रम राणा का सुराग

वायनाड। केरल के वायनाड में टनल निर्माण स्थल पर 7 जुलाई को हुए भीषण भूस्खलन के बाद लापता हिमाचल प्रदेश के निर्माण प्रबंधक विक्रम राणा की तलाश का अभियान पांचवें दिन भी जारी है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), फायर एंड रेस्क्यू, पुलिस और स्वयंसेवी संगठनों की टीमें मीनाचिपुझा नदी और मलबे के ढेरों में लगातार खोजबीन कर रही हैं। हादसे में अब तक सात शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि विक्रम राणा की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन को और तेज कर दिया गया है।

ओमान तट के पास जीएफएस गैलेक्सी' जहाज पर हमला

10 भारतीय बचाए गए,1 अब भी लापता-भारत ने जताई चिंता

नई दिल्ली/ एजेंसी

ओमान के तट के पास एक वाणिज्यिक जहाज जीएफएस पर हुए हमले के बाद भारत सरकार ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को इस हमले की निंदा करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया। इस घटना के दौरान जहाज पर सवार 11 भारतीय नागरिकों में से 10 को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि एक सदस्य अभी भी लापता है जिसकी तलाश जारी है। भारतीय दूतावास इस पूरी स्थिति पर निरंतर नजर बनाए हुए है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, हमले की सूचना मिलते ही राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था। मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया कि चालक दल में शामिल 11 भारतीयों में से 10 को अब तक बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नागरिक के लापता होने की सूचना है लापता सदस्य को खोजने के लिए व्यापक सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। ओमान में स्थित भारतीय दूतावास स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर इस अभियान में लगातार Coordinating कर रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड की रिपोर्ट के अनुसार, साइप्रस के झंडे वाले इस जहाज पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स द्वारा हमला किया गया था। हमले के कारण जहाज के इंजन कक्ष को भारी क्षति पहुंची और उसमें आग लग गई। नुकसान इतना गंभीर था कि जहाज अपनी आगे की यात्रा जारी

रखने की स्थिति में नहीं रहा। अमेरिकी सूत्रों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि जहाज का एक सदस्य अभी भी लापता है। विदेश मंत्रालय ने इस हमले को क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए एक बड़ा खतरा करार दिया है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों की ये घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि वह हमेशा तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति के पक्ष में रहा है। सरकार चाहती है कि जारी राजनयिक प्रयासों और वार्ताओं को तार्किक और शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाए ताकि क्षेत्र में सुरक्षा वापस आ सके। भारत ने जोर देकर कहा है कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप समुद्री मार्गों पर स्वतंत्र और निर्बाध नौवहन तथा व्यापार को जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए। एमईए के अनुसार, नागरिक बुनियादी ढांचे और वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने की घटनाएं तुरंत बंद होनी चाहिए। इसके साथ ही, भारत ने बचाव और राहत कार्यों में सक्रिय सहयोग देने के लिए ओमान सरकार का शुक्रिया अदा किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि ओमान में हमारा दूतावास स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और ओमानी अधिकारियों की मदद सराहनीय है।

पिता के खून का बदला लेंगे, खामेनेई के सुपुर्द-ए-खाक होने के बाद बोले मुज्तबा

ईरान के वर्तमान सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई ने दिवंगत पिता अयातुल्ला अली खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक किए जाने के बाद सार्वजनिक संदेश जारी किया है. उन्होंने कहा कि उनके 'बेगुनाह खून का बदला लेकर रहेंगे. चाहे वह खुद पद पर रहे या न रहे. अपने सोशल मीडिया पर जारी

किए गए एक संदेश में उन्होंने पिता अली खामेनेई और युद्ध में मारे गए शहीदों के खून का बदला लेने की संकल्प लिया. अपने पिता अली खामेनेई और परिवार के अन्य मृतक सदस्यों के जनाजे में शामिल हुई भीड़ की भी दिल खोलकर तारीफकी. कहा, लेकिन बदला लेना जरूरी है.

हत्या की साजिश रच रहे थे

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के तीन शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के तीन शूटर को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये सभी देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हत्या की साजिश रच रहे थे। वारदात होने से पहले दिल्ली पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के तीनों शूटरों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए तीनों शूटर पहले हुई फायरिंग की कई घटनाओं में आरोपी बताए जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस की रोहिणी जिला स्पेशल स्टाफ टीम के सूत्रों की मानें तो गुप्त सूचना मिली थी कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े तीन शूटर किसी की सुनियोजित हत्या की साजिश रच रहे हैं। सूचना के बाद एक्टिव हुई रोहिणी जिले की स्पेशल स्टाफटीम ने उस जगह रेड कर दी, जहां इन शूटरों के होने की सूचना मिली थी। स्पेशल स्टाफ टीम के मौके पर पहुंचते ही वहां मौजूद शूटर भागने की कोशिश करने लगे। टीम ने इन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया।

हिमाचल प्रदेश के शिमला ज़िले के कसुम्पटी इलाके में राज़हाना में लगातार भारी बारिश के कारण हुए ज़बरदस्त भूस्खलन के बाद एक चार-पहिया गाड़ी मलबे में दब गई है।

आमिर खान की तीसरी शादी पर

नितेश राणे बोले.....लव जिहाद के ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान की तीसरी शादी को लेकर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे का बयान चर्चा का केंद्र बन गया है। राणे ने आमिर खान पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें लव जिहाद का ब्रांड एंबेसडर तक कह दिया। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी बहस तेज हो गई है। फिलहाल आमिर खान की ओर से इस बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मीडिया से बातचीत के दौरान नितेश राणे ने कहा कि हिंदू समाज, विशेषकर युवाओं को यह विचार करना चाहिए कि वे किन लोगों को अपना आदर्श मान रहे हैं। उन्होंने कहा कि बड़े सेलिब्रिटी जब अपनी निजी जिंदगी से जुड़े फैसले लेते हैं तो उसका सामाजिक प्रभाव भी पड़ता है।

ज्ञानवापी मामले में बड़ा कदम

सुप्रीम कोर्ट ने कहा एक मेज पर बैठेंगे हिंदू-मुस्लिम पक्ष....

नई दिल्ली/ एजेंसी

ज्ञानवापी विवाद से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद अब समाधान की दिशा में मध्यस्थता की कोशिश शुरू होने जा रही है। हिंदू पक्ष के वकील सुधीर त्रिपाठी के अनुसार, 14 जुलाई को हिंदू और मुस्लिम पक्ष के प्रतिनिधि एक साथ बैठकर बातचीत कर सकते हैं। उद्देश्य यह है कि आपसी सहमति से विवाद का समाधान निकाला जाए। ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीधे कोई अंतिम फैसला देने के बजाय दोनों पक्षों को बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने की दिशा में

आगे बढ़ने का निर्देश दिया है। अदालत के आदेश के बाद संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए गए हैं और अब मध्यस्थता की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है। हिंदू पक्ष का दावा है कि यदि यह वार्ता सफल रहती है, तो ज्ञानवापी विवाद से जुड़े अन्य मामलों के समाधान का रास्ता भी खुल सकता है। हिंदू पक्ष के वकील सुधीर त्रिपाठी के मुताबिक, फिलहाल दो प्रमुख मामलों को मध्यस्थता के लिए चिन्हित किया गया है उसमें राखी सिंह बनाम उत्तर प्रदेश सरकार और शैलेंद्र सिंह व्यास बनाम अंजुमन इंतजामिया मामला है। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता की प्रक्रिया में दोनों पक्षों के वादियों को बुलाकर आपसी सहमति बनाने का प्रयास किया जाता है। सुधीर त्रिपाठी ने कहा कि अदालत के आदेश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने ज्ञानवापी परिसर का सर्वे किया था।

तेज रफ्तार कार हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराई, 4 की मौके पर मौत 4 गंभीर घायल

अहमदाबाद। गुजरात के जूनागढ़ जिले में मजेवड़ी गांव के पास फोर-लेन हाईवे पर खड़े एक ट्रक से तेज रफ्तार अर्टिगा कार की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं कार में सवार एक बच्चा चमत्कारिक रूप से सुरक्षित बच गया। जानकारी के अनुसार, बनासकांठा जिले का एक परिवार अर्टिगा कार से सोमनाथ अस्थि विसर्जन के लिए जा रहा था। जब उनकी कार मजेवड़ी गांव के पास पहुंची, तभी हाईवे पर खराब होकर खड़े एक ट्रक से जा टकराई। बताया जा रहा है कि चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद कार तेज रफ्तार में ट्रक के पिछले हिस्से में घुस गई।

राम मंदिर विवाद पर आरएसएस ने दी सख्त चेतावनी

करोड़ों भक्तों की आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली/ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक रविवार को कर्नाटक के बेलगावी में संपन्न हुई। बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत देशभर से 226 वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। संगठन विस्तार, शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम और सामाजिक अभियानों के साथ-साथ अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की गिनती में सामने आई कथित अनियमितता बैठक का

प्रमुख मुद्दा रही। बैठक के बाद जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में आरएसएस ने राम जन्मभूमि मंदिर की दानपेटी में चढ़ावे की गिनती के दौरान सामने आई कथित अनियमितता पर गहरा दुख व्यक्त किया। संघ ने कहा कि यह केवल प्रशासनिक मामला नहीं, बल्कि करोड़ों राम भक्तों की आस्था से जुड़ा विषय है। इसलिए इसकी निष्पक्ष और शीघ्र जांच होना बेहद जरूरी है। आरएसएस ने विश्वास जताया कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर गठित एसआईटी और पुलिस की जांच जल्द ही निर्णायक निष्कर्ष तक पहुंचेगी और पूरे मामले की सच्चाई सामने आएगी। संघ ने कहा कि यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

कोरोना ने फिर दी दस्तक

आंध्रा में 8 एक्टिव केस मिलने के बाद हड़कंप,अबतक दो की मौत

नई दिल्ली/एजेंसी

देश में 4 साल बाद एक बार फिर कोरोना ने दस्तक दे दी है. आंध्र प्रदेश के वाईएसआर कडप्पा जिले में यह मामले दर्ज किये गए हैं। इस जिले में पिछले कुछ हफ्तों के अंदर कोविड-19 के आठ मामले सामने आए हैं और दो मरीजों की मौत हो चुकी है। इन नए मामलों के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। इसी के साथ स्वास्थ्य अधिकारियों ने निगरानी और तैयारी के उपायों को तेज कर दिया है। जानकारी के अनुसार, कडप्पा के राजमपेट इलाके में एक 52 वर्षीय एक व्यक्ति को बुखार और खांसी की शिकायत हुई। जांच में व्यक्ति कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया, इसके बाद वेल्लोर के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं एक दूसरे मामले में कडप्पा के 43 वर्षीय व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच के दौरान वह कोविड-19 संक्रमित पाया गया और बाद में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। कडप्पा मेडिकल कॉलेज के 25 वर्षीय मेडिकल छात्र का भी वायरस टेस्ट पॉजिटिव आया है और वर्तमान में उनका होम आइसोलेशन के माध्यम से इलाज चल रहा है। 2 मौतों के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। स्वास्थ्य विभाग एक्शन में आया और जिले में विशेष त्वरित प्रतिक्रिया दल तैनात किए। टीम ने प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 40 लोगों के सैंपल कलेक्ट किए। रिपोर्ट के अनुसार, 18 सैंपल की रिपोर्ट नेगेटिव आई है, जबकि बाकी सैंपल की रिपोर्ट आनी

बाकी है। जिला स्वास्थ्य अधिकारियों ने जिला परिषद की बैठक में बताया कि जिले में वर्तमान में कोविड-19 के आठ सक्रिय मामले हैं। वायरस के प्रकार की पहचान करने और इसके संचरण पैटर्न को समझने के लिए नमूनों को जीनोम अनुक्रमण हेतु पुणे की एक प्रयोगशाला में भेजा गया है। आंध्र प्रदेश की जिला प्रभारी मंत्री सविता ने अधिकारियों को कडप्पा में संक्रमण को और फैलने से रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है। मंत्री ने जिला कलेक्टर और सीएमचओ से फोन पर बातचीत कर कोविड-19 दिशानिर्देशों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को बुखार, खांसी और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाने वाले लोगों की पहचान करने और जहां आवश्यक हो, उन्हें अलगाव सुविधाओं में स्थानांतरित करने का भी आदेश दिया। प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छता उपायों को तेज कर दिया गया है और सफाई एवं विरंजन गतिविधियां जारी हैं। मंत्री ने अधिकारियों को संक्रमित व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों की तत्काल जांच करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिन लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आती है, उन्हें आइसोलेशन वार्ड में भेजा जाए, जबकि अन्य को होम आइसोलेशन के माध्यम से निगरानी में रखा जाए। कडप्पा में कोविड-19 के मामले सामने आने के बाद, राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों ने आंध्र प्रदेश भर में कोविड-19 की तैयारी के लिए अलर्ट जारी किया है।

कोविड रोकथाम के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

कडप्पा जिले में कोविड के मामले आने से हड़कंप मच गया, जिसे देखते हुए आंध्रप्रदेश की जिला प्रभारी मंत्री सविता सिंह ने अधिकारियों को तुरंत रोकथाम के कदम उठाने के निर्देश दिए। जिससे वायरस को फैलने से रोका जा सके। वहीं जिले के कलेक्टर सीएच श्रीधर और जिला के स्वास्थ्य अधिकारी रवि बाबु के साथ फोन पर जानकारी प्राप्त की और निर्देश देते हुए कहा कि जिस इलाके में वायरस के मामले सामने आएं हैं, वहां के लोगों के साथ जागरूकता अभियान कार्यक्रम चलाएं और कोविड-19 गाइडलाइंस को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए। मंत्री सविता सिंह ने सभी अधिकारियों से कहा कि अस्पतालों और सार्वजनिक जगहों समेत भीड़ -भाड़ वाले इलाकों में लोगों को मास्क लगाने के लिए सुचित करें। उन्होंने आगे कहा कि वे कोविड को देखते हुए बुखार , सर्दी खांसी और सांस लेने में समस्या जैसे लक्षणों की पहचान करें और जरूरत पड़ने पर अस्पताल के आइसोलेशन सुविधाओं में भेजें।

17 साल बाद भी जिंदा है मदनवाड़ा की शहादत की याद, शहीद रजनीकांत सिंह को नम आंखों से श्रद्धांजलि

डीजीपी अरुण देव गौतम ने शहीद स्मारक पहुंचकर दी श्रद्धांजलि, परिवार से मिलकर हरसंभव सहयोग का दिलाया भरोसा

भिलाई, 12 जुलाई 2026। छत्तीसगढ़ के इतिहास में 12 जुलाई 2009 का दिन आज भी एक ऐसी पीड़ा बनकर दर्ज है, जिसे समय भी कम नहीं कर सका। राजनांदगांव जिले के मदनवाड़ा नक्सली हमले में पुलिस के कई जांबाज अधिकारियों और जवानों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। उन्हीं वीर सपूतों में रिसाली-भिलाई के शहीद रजनीकांत सिंह भी शामिल थे।

उनकी 17वीं पुण्यतिथि पर रविवार को रिसाली स्थित शहीद रजनीकांत सिंह स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। प्रेम संगवारी बहुउद्देशीय सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अरुण देव गौतम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

डीजीपी अरुण देव गौतम ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए और कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा के लिए दिया गया सर्वोच्च बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके साथ दुर्ग रेंज के आईजी अभिषेक शांडिल्य, एसएसपी विजय अग्रवाल, एएसपी सुखनंदन राठौर, नेवई थाना प्रभारी अनिल साहू सहित अनेक पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब डीजीपी अरुण देव गौतम ने शहीद रजनीकांत सिंह की पत्नी पिंकी सिंह से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि पुलिस परिवार हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा है और किसी भी आवश्यकता पर हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

इस अवसर पर समिति के संयोजक विष्णु पाठक ने वर्ष 2009 की उस दर्दनाक घटना को याद करते हुए बताया कि मदनवाड़ा की शहादत केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति की अमर प्रेरणा है।

श्रद्धांजलि सभा में प्रेम संगवारी बहुउद्देशीय सेवा समिति के अध्यक्ष मुकेश पाण्डेय, महासचिव रंग बहादुर सिंह, समिति के पदाधिकारी, सदस्य, शहीद परिवार तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर अमर शहीद को नमन किया और उनके बलिदान को सदैव स्मरण रखने का संकल्प लिया।

मदनवाड़ा की शहादत आज भी याद दिलाती है कि देश की सुरक्षा के लिए वर्दी पहनने वाले जवान केवल अपना कर्तव्य नहीं निभाते, बल्कि अपने परिवारों के सपनों का त्याग कर राष्ट्र की रक्षा का संकल्प निभाते हैं। ऐसे वीर सपूतों का बलिदान हमेशा अमर रहेगा।

आम जनमानस को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रथम लक्ष्य: विजय मोटवानी

धमतरी। आमापारा वार्ड में थोड़े से बरसात हो जाने पर घुटनों तक पानी भर जाने की समस्या से निजात दिलाने के पश्चात नगर निगम के लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष विजय मोटवानी अब एक मिशन के तहत दूसरे वार्डों को भी ऐसी समस्या से मुक्त कर आम जनता को राहत देने के लिए निकल पड़े हैं, जिसके अंतर्गत साल्हेवार पारा वार्ड सुगम तालाब के पास से लेकर पटेल गली तक 375 मीटर लंबी आरसीसी नाली जिसकी चौड़ाई 3 फिट है और लागत राशि 24 लाख रुपए से निर्माण कार्य प्रारंभ है जिसको गति देने के लिए धरातल पर स्वयं मोटवानी उतरते हुए आवश्यक दिशा निर्देश देकर निर्माण एजेंसी को ताकिद किया कि शहर के इस वार्ड में बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति तथा इसे विस्तार देने के लिए यह नाली महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में आगामी समय में देखी जाएगी। इसलिए इसके निर्माण में गुणवत्ता तथा समय सीमा का समुचित ध्यान रखते हुए वार्ड वासियों की बहु प्रतीक्षित मांग की पूर्ति किया जाना सुनिश्चित करें। मोटवानी ने एक चर्चा में कहा है कि महापौर रामू रोहरा के निर्देश में लगातार शहर में विकास के कार्य चल रहे हैं। शहरवासियों ने जिस अपेक्षा के साथ 138 साल से भाजपा के नगर निगम के इतिहास को आगे बढ़ते हुए फिर से इस पंचवर्षीय कार्यकाल में हम सारे लोगों को जनप्रतिनिधि के रूप में कमान संभाली है, उस पर खरा उतरते हुए शहर वासियों तथा यहां की बुनियादी सुविधाओं को आम जनमानस को उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता ईमानदारी के साथ कार्य किए जाएगा, जिसके लिए वर्षों से परेशानी का सबक बन आमापारा वार्ड की जल निकासी व्यवस्था रोल मॉडल के रूप में प्रयोग में अन्य वार्डों के लिए लाया जाएगा।

भोरमदेव में इको-टूरिज्म की नई उड़ान, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया 6 किमी इको ट्रेल और वन महोत्सव का शुभारंभ

कवर्धा। जिले के प्राकृतिक और धार्मिक पर्यटन केंद्र भोरमदेव को इको-टूरिज्म के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की गई। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भोरमदेव अभ्यारण्य में वन महोत्सव और 6 किलोमीटर लंबी भोरमदेव इको ट्रेल का शुभारंभ कर जिले के पर्यटन विकास को नई गति प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने घने जंगलों के बीच ट्रेकिंग कर प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता और वन संपदा का अवलोकन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ शनि देव महाराज की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद उप मुख्यमंत्री शर्मा ने करिया आमा ग्राम में 51 काला आम के पौधों का रोपण कर ÷काला आम उपवन÷ की स्थापना की। साथ ही जिलेभर में 50 हजार सीड बॉल रोपण अभियान तथा एक लाख पौधों के वितरण अभियान का भी शुभारंभ किया। ई-रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर पौध वितरण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव क्षेत्र प्रकृति की अनमोल धरोहर है और यहां इको-टूरिज्म की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। जंगल सफारी के बाद अब इको ट्रेल की शुरुआत से पर्यटकों को जंगल के भीतर जाकर प्रकृति को करीब से देखने और महसूस करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है और इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने कहा कि पर्यटन गतिविधियों के विस्तार से होटल व्यवसाय, वाहन संचालन, स्थानीय खान-पान, हस्तशिल्प, गाइड सेवा और अन्य छोटे-बड़े व्यवसायों को बढ़ावा मिलेगा। इससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने यह भी कहा कि वर्तमान में कई युवा जंगल सफारी में नेचर गाइड के रूप में कार्य कर रहे हैं और आने वाले समय में ऐसे अवसर और बढ़ेंगे। उन्होंने स्थानीय लोगों से भोरमदेव की प्राकृतिक विरासत को संरक्षित रखने और स्वच्छता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। इस अवसर पर बैगा चौपाल का आयोजन भी किया गया, जिसमें बैगा समुदाय के 100 हितग्राहियों को सोलर लालटेन एवं जैकेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम ने आदिवासी समुदाय के सशक्तिकरण और वन आधारित जीवनशैली को प्रोत्साहित करने का संदेश भी दिया। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत भोरमदेव क्षेत्र के समग्र विकास के लिए 146 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।

पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक में राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 पर चर्चा की गई

बलौदाबाजार। पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील इकाई बलौदाबाजार की मासिक बैठक मे संगठन के विस्तार, राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 को विलोपित करने, केंद्र के अनुसार महंगाई राहत देने जैसे शासन से जुड़े विषयों पर गहन चर्चा हुई। आगामी 20 जुलाई को मंत्रालय के समक्ष अपनी मांगों को लेकर होने वाले धरना प्रदर्शन मे शामिल होने और मुख्य सचिव को ज्ञापन सौपने के कार्यक्रम मे शामिल होने पर सहमति बनी। बैठक मे वरिष्ठ सदस्य जयनारायण केसरवानी ने भारतीय स्टेट बैंक की सी पी पी योजना से पेंशनरों को मिलने वाले लाभ की जानकारी देते हुए योजना की सदस्यता लेने बैंक द्वारा जारी किये गए आवेदन पत्र उपलब्ध कराये व उन्हें शीघ्र भर कर बैंक मे जमा करने का निर्देश दिया। आगामी समय मे जिले के वार्षिक सम्मेलन के आयोजन पर सहमति बनी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रांतीय महामंत्री डी पी जैन, सभा की अध्यक्षता कर रहे एस पी पाण्डेय, तहसील इकाई के अध्यक्ष एस डी पड़वार, जिलाध्यक्ष एस एम पाध्ये व वरिष्ठ सदस्य जयनारायण केसरवानी ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की पूजा अर्चना व हनुमान चालीसा के पाठ से हुआ। इस अवसर पर नेहरू लाल यादव, राजेंद्र मिश्रा, पी आर धीवर, के के वर्मा, कांशी राम साहू, इतवारी राम ध्रुव, ए के ध्रुव व जी पी वर्मा उपस्थित थे। तहसील अध्यक्ष एस डी पड़वार ने आभार प्रदर्शन किया।

विश्व जनसंख्या दिवस: योगेश फाउंडेशन द्वारा धर्म, राजनीति पर गोष्ठी हुई

धमतरी। राजनीति में अधर्म वर्जित होना चाहिए क्योंकि अधर्म समाज में भय, अन्याय और विभाजन उत्पन्न करता है जबकि धर्म रहित राजनीति जनता का विश्वास, सुख और राष्ट्र की स्थिरता सुनिश्चित करती है। उक्त बातें योगेश फाउंडेशन द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर आयोजित राजनीति में अधर्म क्यों वर्जित होना चाहिए, विषय पर गोष्ठी के दौरान समाज सेवी अंकिता रत्नेश मिश्रा द्वारा कही गई। इसी कड़ी में राष्ट्रीय संगठन संत सुरक्षा मिशन के राष्ट्रीय संयोजक जानकी वल्लभ तीर्थ महाराज ने कहा कि राजा या शासक के लिए विनम्रता के साथ नीति भी आवश्यक है। यदि मंत्री, वैद्य और गुरु भय या स्वार्थ से केवल प्रिय बाते कहने लगे तो राज्य धर्म और शरीर तीनों का नाश हो जाता है। सत्य बोलने वालों कि उपेक्षा किसी भी शासन को कमजोर कर देता है। धर्म और राजनीति में संत समाज की भी आवश्यकता होती हैं। भारतीय जनता पार्टी धमतरी शहर महिला मोर्चा की अध्यक्ष पूजा कुंजाम ने इस अवसर पर कहा कि दूसरों के हित से बड़ा कोई धर्म नही और दूसरों को कष्ट पहुंचाने से बड़ा कोई पाप नहीं। राजनीति यदि जनसेवा छोड़कर स्वार्थ और अत्याचार का माध्यम बन जाए तो वह अधर्म बन जाती है। समाजसेवी चंद्रकला पटेल ने कहा कि सत्य से बड़ा कोई धर्म नहीं। राजनीति में असत्य, छल और झूठ अल्पकालिक लाभ दे सकते हैं परन्तु स्थायी सम्मान नहीं अतः राजनीति में अधर्म वर्जित होना चाहिए। कार्यक्रम के इसी कड़ी में स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक भूपेन्द्र मिश्रा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ती का माध्यम नहीं बल्कि धर्म, न्याय और लोक कल्याण का साधन माना गया है। विप्र विद्वत परिषद् के अध्यक्ष बालेंद्र पांडे ने कहा कि रावण का उदाहरण बताता है कि विद्या, शक्ति और सम्पत्ति होने के बाद भी अधर्म अंततः पतन का कारण बनता है। काम, क्रोध, अंहकार और लोभ नरक के मार्ग है। जब राजनीति में लोभ और अंहकार प्रवेश कर जाते हैं, तब भ्रष्टाचार, अन्याय और शोषण बढ़ने लगता है। प्रसिद्ध कथा वाचक अशोक शास्त्री ने बताया कि राम राज्य में जनता भय, अन्याय और दुख से मुक्त थी क्योंकि शासन धर्म और न्याय पर आधारित था। आज भी राजनीति का उद्देश्य जनता को सुरक्षा, सम्मान और सुविधा देना होना चाहिए।

सीनियर सिटीजन रिटायर्ड तहसीलदार रामवतार शर्मा एवं रिटायर्ड मतस्य निरीक्षक कमल नारायण तिवारी ने कहा कि राजनीति में अक्सर यह देखा गया कि अधर्म, छल, अहंकार और अन्याय पर आधारित शासन अंततः विनाश की ओर जाता है। कार्यक्रम का संचालन अशोक मिश्रा एवं आभार विद्या शंकर दीवान द्वारा किया गया।

नगर पालिका द्वारा आयोजित स्वनिधि मेला में 511 हितग्राही लाभान्वित

बलौदाबाजार। शहरी पथ विक्रेताओं को आत्मनिर्भर बनाए जाने के लिए शासन की महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत नगर पालिका द्वारा लोक कल्याण स्व-निधि मेला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें छोटे व्यवसाय करने वाले गरीब एवं असंगठित श्रमिक, महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान किया जाना प्रमुख है। नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने नगरीय निकाय में छोटे धन्दा,व्यवसाय के माध्यम से अपने परिवार का जीवको पार्जन करने वाले व्यवसायी शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठाते हुए सरलतम ढंग से लोन प्राप्त कर अपना व्यापार व्यवसाय को और भी आगे बढ़ा सकते हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर के छोटे व्यवसायी जो मुख्य रूप से फल, सब्जी, बैग सिलने, छोटी वेल्डिंग मशीन चलाने, चाय-नाश्ता, टोकनी सुपा झाडू, का व्यापार व व्यवसाय करने वाले लोगों को शासन के द्वारा बिना गारंटी के कार्यशील पूंजी पर ऋण प्रदाय किया जा रहा है, जिसमें व्यवसायी को पहले 15,000 का ऋण प्रदाय किया जाएगा, उक्त ऋण को निर्धारित समय पर जमा किए जाने से दूसरा ऋण 25,000 व भुगतान पर तीसरा ऋण 50,000 भी प्राप्त करने के लिए व्यवसायी पात्र होंगे, जिसका ब्याज सब्सिडी 7 प्रतिशत वार्षिक रखा गया है। शहरी क्षेत्र के शहरी पथ विक्रेताओं के लिए स्व- निधि महोत्सव कल्याण मेला का आयोजन किया गया है 17 जून 2026 को नगर भवन में शहरी पथ विक्रेता के लिए ऋण प्रदाय हेतु शासन की महत्वपूर्ण योजना से संबंधित आवेदन प्राप्त कर सकते हैं, इस दौरान सभी बैंक के अधिकृत अधिकारी उपस्थित रहेंगे। व हितग्राही अपना आवेदन निकटतम बैंक, सी एस सी सेंटर अथवा नगर पालिका में या फिर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवश्यक दस्तावेज में नगरी निकाय द्वारा जारी वेंडिंग सर्टिफिकेट, वेंडर परिचय पत्र, बैंक खाता पासबुक, एवं आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, व पासपोर्ट साइज फोटो साथ जमा कर सकते हैं। उक्त योजना के अंतर्गत नगरपालिका द्वाराअब तक 511 शहरी पथ विक्रेताओं को लाभान्वित किया जा चुका है, डिजिटल साक्षरता से जोड़ने के साथ ही शहरी शहरी पथ विक्रेताओं वेंडर के अध्यनरत बच्चो को पुरस्कृत करने के साथ ही जो वेंडर समय पर ऋण अदायगी कर अपने व्यापार व्यवसाय को आगे बढ़ाने में निरंतर शासन की योजना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं उन्हें भी सम्मानित किया जाएगा।

नक्सल समस्या पर केंद्रित हिंदी उपन्यासों की उपादेयता विषय पर अंकित भोई को पीएच.डी. की उपाधि

सरायपाली। विकास खंड के ग्राम बलौदा निवासी अंकित भोई को हिंदी साहित्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई। अंकित भोई ने नक्सल समस्या पर केंद्रित हिंदी उपन्यासों की उपादेयता विषय पर अपना शोध कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया। यह शोध कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई नगर, दुर्ग के हिंदी विभाग के विद्वान शिक्षाविद्, भाषा-वैज्ञानिक एवं शोध निर्देशक डॉ. सुधीर शर्मा के कुशल निर्देशन एवं सतत मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। ज्ञातव्य हो कि अंकित भोई कथा साहित्य में नक्सली समस्या पर शोध करने वाले देश के पहले शोधार्थी हैं। उनका शोध ग्रंथ मुख्यतः छह अध्याय में विभक्त है। उनके शोध में नक्सल समस्या को राष्ट्रीय संदर्भ के साथ-साथ छत्तीसगढ़ राज्य के विशेष संदर्भ में विवेचित किया गया है। उक्त शोधकार्य में समकालीन हिंदी साहित्य में नक्सल समस्या के विशेषज्ञ राजीव रंजन प्रसाद एवं गिरीश पंकज का साक्षात्कार भी सम्मिलित है। उनके शोध में नक्सल समस्या पर केंद्रित हिंदी उपन्यासों का साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं वैचारिक दृष्टि से व्यापक अध्ययन किया गया है। इसमें नक्सलवाद की पृष्ठभूमि, आदिवासी जीवन, सामाजिक असमानता, विस्थापन, विकास की चुनौतियाँ, शासन-प्रशासन की भूमिका तथा मानवीय संवेदनाओं का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। शोध के निष्कर्षों में यह प्रतिपादित किया गया है कि नक्सल समस्या पर आधारित हिंदी उपन्यास केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं हैं, बल्कि वे समकालीन भारतीय समाज की जटिल समस्याओं को समझने, सामाजिक चेतना विकसित करने तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह शोध हिंदी साहित्य में नक्सल विमर्श के अध्ययन को नई दिशा प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण अकादमिक कार्य माना जा रहा है। शोधार्थियों, अध्येताओं एवं हिंदी साहित्य के शोध के क्षेत्र में यह एक उपयोगी संदर्भ सामग्री के रूप में भी स्थापित होगा। ज्ञातव्य हो कि अंकित भोई वर्तमान में शासकीय नवीन महाविद्यालय पिरदा में हिंदी के सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर से दो नाबालिग भाई लापता, उरला पुलिस ने दर्ज किया मामला, लोगों से मांगी मदद

रायपुर। राजधानी रायपुर के उरला थाना क्षेत्र से दो नाबालिग भाई संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए हैं। दोनों बालक 8 जुलाई 2026 को सुबह करीब 11 बजे अपने घर से बिना किसी को बताए रेंजर साइकिल लेकर निकल गए, जिसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल सका। पुलिस के अनुसार, लापता बालकों की पहचान आयुष चौहान और पीयूष चौहान के रूप में हुई है, जो राजेंद्र नगर, थाना उरला क्षेत्र के निवासी हैं। परिजनों की शिकायत पर उरला थाना में अपराध क्रमांक 311/2026 के तहत धारा 137(2) बीएनएस में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी गई है। उरला पुलिस ने सभी थाना क्षेत्रों और आम नागरिकों से अपील की है कि यदि दोनों बालक कहीं दिखाई दें या उनके संबंध में किसी प्रकार की जानकारी मिले तो तत्काल थाना उरला को 94791-91032 पर सूचना दें, ताकि उन्हें सुरक्षित परिजनों तक पहुंचाया जा सके।

जमीन और पानी निकासी विवाद में दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष, लाठी-डंडों से मारपीट में दर्जनभर घायल

रायपुर। जिले के कोनी थाना क्षेत्र के सेमरताल भदोरिया खार बरपाली गांव में जमीन और पानी निकासी के पुराने विवाद ने एक बार फिर हिंसक रूप ले लिया। दो पड़ोसी परिवारों के बीच हुए विवाद में जमकर लाठी-डंडे चले, जिससे महिला और पुरुषों सहित एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घटना के बाद गांव में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस के अनुसार, एक पक्ष के हरवंश राजू लोनिया ने शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि पड़ोसी हरीशानंद, परमानंद, संतोषानंद और उनके बेटों ने सड़क पर मिट्टी डालकर पानी निकासी का रास्ता बंद कर दिया था। इसका विरोध करने पर आरोपियों ने कथित तौर पर उनके घर में घुसकर गाली-गलौज की और लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे परिवार के कई सदस्य घायल हो गए। वहीं दूसरे पक्ष के हरीशानंद लोनिया ने भी कोनी थाना में शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि वह अपने आंगन में मौजूद थे, तभी पड़ोसी राजेश, राजू, भानू और बैसाखूराम लाठी-डंडे लेकर पहुंचे और उन पर हमला कर दिया। इस मारपीट में उनके परिवार के कई लोगों को चोटें आई हैं। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफमारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत दर्ज कराई है।

खमतराई पुलिस ने फरसा दिखाकर लूट करने वाले गिरोह का किया पर्दाफाश

रायपुर। राजधानी रायपुर की खमतराई पुलिस ने फरसा की नोक पर लूट की दो वारदातों का खुलासा करते हुए एक विधि से संघर्षरत बालक सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए तीन मोबाइल फोन, नगदी और वारदात में प्रयुक्त धारदार फरसा बरामद किया है। चोरी का मोबाइल खरीदने वाले आरोपी के खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की गई है।पुलिस उपायुक्त (उत्तर) मयंक गुर्जर के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आकाश मरकाम, सहायक पुलिस आयुक्त उरला पूर्णिमा लामा तथा थाना प्रभारी जितेंद्र जायसवाल के नेतृत्व में कार्रवाई की गई।पुलिस के अनुसार, पहली घटना 20 जून 2026 की रात डीआरएम कार्यालय के पास हुई थी, जहां मोटरसाइकिल सवार युवक को फरसा दिखाकर उसका रियलमी मोबाइल फोन और 1,800 रुपये लूट लिए गए थे। दूसरी घटना 6 जुलाई 2026 की रात वॉल्टेयर लाइन के पास हुई, जहां एक्टिवा सवार युवक और हाईवा चालक को चाकू दिखाकर दो मोबाइल फोन और 1,750 रुपये लूटकर आरोपी फरार हो गए थे।दोनों मामलों की जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, मुखबिरों से मिली सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने दोनों वारदातों को अंजाम देना स्वीकार कर लिया।आरोपियों की निशानदेही पर लूटे गए तीन मोबाइल फोन, नगदी और वारदात में इस्तेमाल धारदार फरसा बरामद किया गया।

300 किलो गांजा तस्करी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन हंटके तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 300 किलोग्राम गांजा तस्करी के मुख्य मास्टरमाइंड शुभम यादव को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले महीने 1.86 करोड़ रुपये मूल्य की गांजा खेप पकड़े जाने के बाद से फरार चल रहा था। संयुक्त कार्रवाई में साइबर थाना और लैलूंगा पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 10.17 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति भी जब्त की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि 5 जून 2026 को रायगढ़ पुलिस ने ऑपरेशन आघात के तहत ओडिशा से मध्यप्रदेश ले जाई जा रही लगभग 300 किलो गांजा की खेप जब्त की थी।

उप मुख्यमंत्री ने शाला प्रवेश उत्सव में बच्चों को तिलक लगाकर कराया शाला प्रवेश

आप ही हैं भावी भारत का भावी भविष्य-उपमुख्यमंत्री अरुण साव

- विकास कार्यों के लिए 2.60 करोड़ स्वीकृत करने की घोषणा की

रायपुर/ संवाददाता

शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बच्चों में स्कूल के प्रति उत्साह जगाने के उद्देश्य से आज बेमेतरा जिले के बेरला में जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। बेरला के मंडी प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों का तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर स्नेहपूर्वक शाला प्रवेश कराया। उन्होंने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बच्चों को शाला प्रवेश कराकर उनका स्वागत किया। उन्होंने कक्षा पहली सहित विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के माथे पर तिलक लगाया और उन्हें पुस्तकें, स्टेशनरी व शाला गणवेश वितरित किया। उन्होंने इस दौरान बच्चों के साथ स्नेहपूर्वक फोटो भी खिंचवाई और उनसे बातचीत की। श्री साव ने शाला प्रवेशोत्सव में बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आप ही भावी भारत का भविष्य हैं। देश को आगे ले जाने की जिम्मेदारी आने वाले समय में आपके कंधों पर होगी। इसलिए मन लगाकर पढ़ाई करें।अनुशासन में रहें और बड़े सपने देखें। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजें और शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार काम कर रही है। शाला प्रवेश उत्सव का मकसद यही है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। स्कूलों में मूलभूत सुविधाएं, स्मार्ट क्लास, मध्यान्ह भोजन और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं के माध्यम से बच्चों को बेहतर माहौल दिया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि एक अच्छा शिक्षक ही अच्छे नागरिक गढ़ता है। श्री साव ने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में असफलता से हताश व निराश न होवें। जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित कर सफलता की ओर अग्रसर होवें। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने 20 बालिकाओं को साइकिल प्रदाय किया। सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत साइकिल मिलने से बालिकाओं के चेहरे में मुस्कान देखेने को मिला। साईकिल मिलने से बेटियों को सुगमतापूर्वक शाला आने जाने की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर जिले में बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही नवोदय विद्यालय में चयनित विद्यार्थियों को भी सम्मनित किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने क्षेत्र में विकास की रेखा को अनवरत रखते हुए बड़ी सौगातें दी। उन्होंने यहां बेरला में गौरव पथ निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपए, स्टेडियम निर्माण कार्य के लिए 50 लाख रुपए एवं शासकीय कन्या विद्यालय में बाउंड्रीवाल के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। कार्यक्रम में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री दयाल बघेल ने भी नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया।

छत्तीसगढ़ में नई श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन की हुई समीक्षा संपन्न

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में नवीन श्रम संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन और श्रमिक कल्याण से जुड़े विभिन्न पहलुओं को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. महेन्द्र कुमार ने गुरुवार को राज्य में चल रही प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। नया रायपुर स्थित 'छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल' के सभागार में आयोजित इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में श्रम कानूनों को धरातल पर उतारने को लेकर गंभीर मंथन किया गया। बैठक के दौरान केंद्र सरकार द्वारा अधिनियमित चारों नवीन श्रम संहिताओं के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा अब तक जारी की गई अधिसूचनाओं और उनके अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा की गई, वेतन संहिता, 2019 औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य-परिस्थितियाँ संहिता, 2020। बैठक में राज्य के अधिकारियों ने केंद्र सरकार को अवगत कराया कि इन नवीन संहिताओं को छत्तीसगढ़ में सुचारू रूप से लागू करने के लिए विभाग पूरी तरह तैयार है। समीक्षा बैठक में छत्तीसगढ़ के श्रम विभाग के अधिकारियों ने राज्य में श्रमिकों के हित में चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा के विस्तार की जानकारी दी। संयुक्त सचिव को विभाग द्वारा अपनाई गई आधुनिक डिजिटल पहलों और तकनीकी नवाचारों से भी रू-ब-रू कराया गया। बैठक में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि नई व्यवस्था के आने से श्रम प्रशासन अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनेगा, जिससे श्रमिकों के हितों का बेहतर संरक्षण हो सकेगा। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि भारत सरकार की संहिताओं के अनुरूप राज्य के स्तर पर नियमों के निर्माण की प्रक्रिया को शीघ्र ही अंतिम रूप देकर इन्हें प्रभावी ढंग से लागू कर दिया जाएगा।

सौर ऊर्जा अपनाकर प्रेरणा स्त्रोत बने ग्राम पंचायत सचिव मंडावी

- सौर ऊर्जा अपनाकर प्रेरणा स्त्रोत बने ग्राम पंचायत सचिव
- 3-3 किलोवाट के रूफटॉप सोलर प्लांट से बिजली बिल में भारी बचत

रायपुर। संवादंदाता

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना देश के नागरिकों को स्वच्छ, सस्ती और आत्मनिर्भर ऊर्जा उपलब्ध कराने के साथ-साथ बिजली के खर्चों को कम करने का एक बेहद प्रभावी माध्यम बनती जा रही है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले से एक बेहद प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है, जहाँ दो ग्राम पंचायत सचिवों ने खुद अपने घरों में सोलर प्लांट लगवाकर ग्रामीणों के सामने एक मिसाल पेश की है। जनपद पंचायत छुरिया के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रामपुर के सचिव श्री रामलखन मण्डावी और ग्राम पंचायत जोंधरा के सचिव श्री अर्जुन सिंह ठाकुर ने अपने-अपने निजी आवासों पर 3-3 किलोवाट क्षमता के रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करवाए हैं। दोनों सचिवों की यह अनूठी पहल न केवल उनके घरों में आर्थिक बचत का जरिया बनी है, बल्कि आसपास के लोगों को भी स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। योजना के लाभ और अपने अनुभवों को साझा करते हुए रामपुर के सचिव श्री रामलखन मण्डावी ने बताया कि उन्होंने 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया था। विद्युत विभाग से आवश्यक तकनीकी स्वीकृति मिलने के बाद, विभाग द्वारा अधिकृत विक्रेता (वेंडर) के माध्यम से उनके घर की छत पर 3 किलोवाट का रूफटॉप सोलर प्लांट और नेट मीटर सफलतापूर्व स्थापित कर दिया गया।

जनता के द्वार पहुंची डिजिटल सरकार सेवा सेतु पोर्टल ने आसान की सरकारी प्रक्रिया

जबरदस्ती ई 20 इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल थोपना

भाजपा सरकार ने जनता के अधिकारों का हनन कर रहे

रायपुर/ संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छग शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के उस बयान को जनता को गुमराह करने वाला बताया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से आज तक किसी गाड़ी में कोई शिकायत नहीं मिली है। श्री चंद्राकर ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार ने देश की जनता से बिना पूछे, बिना कोई विकल्प दिए पूरे देश में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित ई 20 पेट्रोल लागू कर दिया है। यह निर्णय किसी वैज्ञानिक आधार या उपभोक्ता की सहमति से नहीं लिया गया, बल्कि एकतरफा आदेश के रूप में जनता पर थोपा गया है। आज दुनिया के तमाम प्रगतिशील देशों में उपभोक्ताओं को चुनने की आजादी दी जाती है। अमेरिका, ब्राजील, कनाडा और यूरोप के कई देशों में ई 10, ई 20 के साथ-साथ बिना इथेनॉल वाला शुद्ध पेट्रोल भी पंपों पर उपलब्ध है। वहां सरकारें उपभोक्ता को तय करने देती हैं कि वह अपनी गाड़ी, अपनी जेब और अपनी सुविधा के अनुसार कौन सा ईंधन लेना चाहता है। लेकिन भारत में मोदी सरकार ने यह बुनियादी विकल्प ही खत्म कर दिया। न शुद्ध पेट्रोल बचा, न कोई दूसरा विकल्प। यह सीधे-सीधे जनता के अधिकारों का हनन है। पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि सरकार दावा कर रही है।

5 हजार रूपए के लोन से शुरू हुआ सफर, आज बहुआयामी उद्यमी हैं सुनीता वर्मा

रायपुर। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विकासखंड खैरागढ़ अंतर्गत ग्राम टेकापारकला की निवासी श्रीमती सुनीता वर्मा आज ग्रामीण महिला सशक्तिकरण की एक प्रेरणादायी मिसाल बन चुकी हैं। कभी खेती-किसानी और मजदूरी के सहारे परिवार का भरण-पोषण करने वाली सुनीता वर्मा ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान' से जुड़कर अपने जीवन को नई दिशा दी और आत्मनिर्भरता की ऐसी मिसाल प्रस्तुत की, जो आज क्षेत्र की अनेक महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। वर्ष 2017 में पद्म मां गायत्री स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत हुई। समूह के माध्यम से प्राप्त प्रथम ऋण राशि 5 हजार रुपये से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और बैग सिलाई का कार्य प्रारंभ किया। यह छोटा प्रयास आगे चलकर उनके आर्थिक सशक्तिकरण की मजबूत नींव साबित हुआ। इसके बाद प्राप्त 5 लाख रुपये के ऋण से उन्होंने 48 डिसमिल कृषि भूमि और ट्रैक्टर खरीदा, जिससे कृषि कार्य का विस्तार हुआ तथा उत्पादन में वृद्धि हुई।

खरीफ सीजन में खेती किसानी ने पकड़ी गति

- राज्य में 20.14 लाख हेक्टेयर में धान, कोदो, कुटकी, रागी,
- तिल, मूंगफली सहित विभिन्न फसलों की बोनी

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में खेती-किसानी का काम तेजी के साथ जारी है। राज्य में अब तक 20.14 लाख से अधिक हेक्टेयर क्षेत्र में धान, मक्का, कोदो, कुटकी, अरहर, मूंग, मूंगफली, रामतिल सहित विभिन्न फसलों की बोनी हो चुकी है, जो लक्ष्य का 41 प्रतिशत है। इस खरीफ सीजन में राज्य सरकार ने 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों को खेती-किसानी में सहुलियतें प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सहयोग करने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किए हैं। उन्होंने किसानों को उनकी मांग के अनुसार सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण करने को भी कहा हैं। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। प्रदेश के किसानों को अब तक 7.78 लाख मीट्रिक टन खाद और 3.62 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है।

शाला प्रवेश उत्सव में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का किया आत्मीय स्वागत, अध्ययन सामग्री वितरित कर

शिक्षा ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव-राजेश अग्रवाल

- उज्ज्वल भविष्य की दी शुभकामनाएं, छात्राओं को साइकिल भेंट कर बढ़ाया उत्साह

रायपुर/ संवाददाता

पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज सरगुजा जिले के पी. एम. श्री स्वामी आत्मानन्द शासकीय अंग्रेजी विद्यालय, लखनपुर तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मेण्ड्राकला में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव में शामिल होकर नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर, अध्ययन सामग्री वितरित कर तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए नवीन शैक्षणिक सत्र के सफल एवं प्रेरणादायी होने की मंगलकामना की। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव है। प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर संसाधन और प्रेरणादायी वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। आज का विद्यार्थी ही कल के सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माता बनेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नवाचार और गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं का विस्तार कर रही है, ताकि प्रदेश का प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ सके। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, अनुशासन, परिश्रम और संस्कारों को जीवन का आधार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करती है। पी. एम. श्री स्वामी आत्मानन्द शासकीय अंग्रेजी विद्यालय, लखनपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें मन लगाकर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से भी बच्चों के सर्वांगीण विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया। इसके पश्चात शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेण्ड्राकला में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव में मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने छात्राओं को साइकिल वितरित कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि साइकिल वितरण जैसी योजनाएं बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने अवलोकन किया और उनकी प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

संपादकीय

होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल वसूलने पर अड़ा ईरान, टकराव की आशंका

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट को लेकर नया विवाद सामने आया है। ईरान जहाजों से शुल्क वसूलने की योजना बना रहा है, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। यह मार्ग दुनिया के 25 प्रतिशत तेल और बड़ी मात्रा में गैस का प्रमुख रास्ता है।एक-दूसरे के खिलाफ तल्ख बयानबाजी के बावजूद अमेरिका और ईरान स्थायी शांति के लिए एक समझौते पर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। इस प्रयास में फिलहाल सबसे बड़ी अड़चन दिख रहा है होर्मुज स्ट्रेट पर तेहरान का दावा। ईरान का कहना कि वह इस समुद्री रास्ते से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलेगा, गतिरोध को बढ़ाने वाला है। यह अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ तो है ही, इसे दुनिया में चिंता भी बढ़ेगी। चीन में ईरान के राजदूत अब्दोलरेजा रहमानी फजली ने कहा है कि होर्मुज से गुजरने के लिए, जहाजों से फीस वसूली जाएगी। हालांकि चीन और दूसरे मित्र देशों को विशेष रियायत दी जा सकती है। फजली का बयान होर्मुज पर ईरान के रुख को दर्शाता है। टकराव के दौरान उसने इस रास्ते का इस्तेमाल अमेरिका व उसके सहयोगी देशों पर दबाव बढ़ाने के लिए किया था। अब वह चाहता है कि होर्मुज पर उसका नियंत्रण बना रहे। अमेरिका के साथ मौजूदा बातचीत शुरू करते समय भी उसने यही कहा था कि 60 दिनों तक कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच मौजूदा संघर्ष शुरू होने के पहले तक होर्मुज से मुक्त व्यापार होता था। और यही ग्लोबल इकॉनमी के हित में भी है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के मुताबिक, दुनिया में समुद्र से होने वाला तेल का करीब 25 प्रतिशत व्यापार इसी मार्ग से होता है और इसमें से 80 प्रतिशत एशिया जाता है। करीब 20 प्रतिशत एलएनजी इस रास्ते से होकर गुजरती है। कतर और यूएई की तो 90 प्रतिशत से ज्यादा गैस यहीं से ट्रांसपोर्ट होती है। किसी भी तरह की फीस लेने से मुक्त आवाजाही पर असर पड़ सकता है। इससे सप्लाई चेन बाधित होगी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसके दुष्प्रभाव दिख सकते हैं।होर्मुज का रास्ता व्यापार के साथ वैश्विक स्थिरता और शांति के लिए भी अहम है। कई देशों के हित यहां से जुड़े हैं। विकास के लिए निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति सबसे जरूरी शर्त है। ऐसे में अगर कोई देश होर्मुज पर नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश करता है, तो इससे टकराव बढ़ने की आशंका रहेगी। समुद्री कानून का सबसे पुराना और व्यापक रूप से स्वीकार किया जाने वाला सिद्धांत है - फ्रीडम ऑफ नेविगेशन। सन 1609 में डच विधिवेत्ता ह्यूगो ग्रोटियस ने इसे प्रस्तुत किया था और आज के अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों की यही बुनियादी अवधारणा है। भारत का भी हमेशा से रुख रहा है कि अंतरराष्ट्रीय जल मार्गों में मुक्त व्यापार होना चाहिए। किसी एक देश का वर्चस्व बाकी सभी के खिलाफ होगा।

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे। दिल्ली के बाद लखनऊ में आग से 15 लोगों की मौत हो गई। ऐसी लाखों इमारतें अकेले उत्तर प्रदेश में हैं, जिनमें आग से बचाने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जब दिल्ली में आग लगी तभी राज्यों की सरकारों को सतर्क हो जाना चाहिए था। लेकिन सरकारों ने लोगों की जान की परवाह नहीं की। अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में आग ने पांच-छह मरीजों को लील लिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के नोएडा और फिर मध्य प्रदेश के इंदौर में आग ने फ्लैट और शोरूम खाक कर दिए। तीन दिन में आग की चार भयानक घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है और करीब 26 लोगों की जलकर या काले धुएं की चपेट में आकर मौत हो गई है।

नजर आ रहे खतरे से बचाव नहीं, भूकंप से कैसे बचाएंगी सरकारें

(योगेंद्र योगी)

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे।

वेनेजुएला में एक मिनट के अंदर दो बड़े विनाशकारी भूकंप में करीब दो हजार लोगों की मौत हो गई। इस प्राकृतिक आपदा में करीब 10 हजार लोग घायल हो गए। बगैर किसी चेतावनी के आने वाली भूकंप जैसी आपदाएं सरकारों को चेताती हैं कि पहले से बचाव के उपाए किए जाएं, ताकि कम से कम जानमाल का नुकसान हो सकें। भूकंप का खतरा भारत मे भी है। देश के कई हिस्सों में कई बार शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। सवाल यह है कि पूर्व में आए इन भूकंपों से देश की सरकारों ने कोई सबक सीखा है। क्या देश में ऐसे इंतजाम किए गए हैं कि भूकंप आने पर कम से कम जानमाल का नुकसान हो।

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे। दिल्ली के बाद लखनउ में आग से 15 लोगों की मौत हो गई। ऐसी लाखों इमारतें अकेले उत्तर प्रदेश में हैं, जिनमें आग से बचाने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जब दिल्ली में आग लगी तभी राज्यों की सरकारों को सतर्क हो जाना चाहिए था। लेकिन सरकारों ने लोगों की जान की परवाह नहीं की। अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में आग ने पांच-छह मरीजों को लील लिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के नोएडा और फिर मध्य प्रदेश के इंदौर में आग ने फ्लैट और शोरूम खाक कर दिए। तीन दिन में आग की चार भयानक घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है और करीब 26 लोगों की जलकर या काले धुएं की चपेट में आकर मौत हो गई है।

राष्ट्रीय और राज्य स्तर के अनुमानों के अनुसार, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों के 60 प्रतिशत से अधिक छोटे और मध्यम भवन बिना वैध फायर एनओसी के चल रहे हैं। देश भर में दमकल केंद्रों में 97.5 प्रतिशत, दमकल कर्मियों में 96.2 प्रतिशत और अग्निशमन उपकरणों में लगभग 80 प्रतिशत तक की कमी है। देश के लगभग हर बड़े शहर में सुरक्षा नियमों को दरकिनार किया जा रहा है। यह खतरा ऐसा है, जो साफ दिखाई देता है। इससे बचाव के शत–प्रतिशत इंतजाम भी किए जा सकते हैं। इसके बावजूद राज्यों और केंद्र ने पूर्व में हुए ऐसे हादसों से सबक नहीं सीखा।

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है, सामने स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहे खतरे से निपटने में सरकारें नाकाम हैं तो भूंकप जैसी अचानक आने वाली आपदा और उसके भयावह रूप से सरकारें कैसे निपटेंगी। जबकि भूगर्भ वैज्ञानिक साफ चेता चुके हैं कि देश के कितने हिस्सों में कभी भी भीषण भूकंप आ सकता है। पिछले दो दशकों में देश में 10 बड़े भूकंप आए हैं, जिनमें 20,000 से अधिक लोगों की जान गई है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी के मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ इमारतें भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5 में आती हैं। इनमें से कई इमारतें 30-40 साल पहले बनी थीं और इनमें से कई इमारतें नेशनल बिल्डिंग कोड्स का पालन नहीं करती हैं।

भूकंप संभावित क्षेत्रों में ज़ोन-1 में भूकंप आने की आशंका सबसे कम रहती है, वहीं ज़ोन-5 में ज्यादा प्रबल रहती है। दिल्ली-एनसीआर का इलाक़ा सीस्मिक ज़ोन-4 में आता है और यही वजह है कि उत्तर भारत के इस क्षेत्र में सीस्मिक गतिविधियाँ तेज़ रहती हैं। भूगर्भ विशेषज्ञों ने भारत के क़रीब 59त्न भू-भाग को भूकंप संभावित क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया है। जानकार सीस्मिक ज़ोन-4 में आने वाले भारत के सभी बड़े शहरों की तुलना में दिल्ली में भूकंप की आशंका ज़्यादा बताते हैं। ग़ौरतलब है कि मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु जैसे शहर सीस्मिक ज़ोन-3 की श्रेणी में आते हैं। जबकि भूगर्भशास्त्री कहते हैं कि दिल्ली की दुविधा यह भी है कि वह हिमालय के निकट है, जो भारत और यूरेशिया जैसी टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने से बना था और इसे धरती के भीतर की प्लेटों में होने वाली हलचल का ख़मियाज़ा भुगतना पड़ सकता है।

नेशनल सेंटर फोर सिसमोलॉजी के मुताबिक भारत के 29 शहरों पर भूकंप का गंभीर ख़तरा है। इन शहरों में दिल्ली समेत नौ राज्यों की राजधानियां भी हैं। ये ज़्यादातर शहर हिमालय ज़ोन से लगे हैं। हिमालय से लगे शहर दुनियां के उन शहरों में शुमार हैं, जहां भूकंप का सबसे ज़्यादा ख़तरा रहता है। दिल्ली, पटना, श्रीनगर, कोहिमा, पुडुच्चेरी, गुवाहाटी, गंगटोक, शिमला, देहरादून, इम्फाल और चंडीगढ़ भूकंपीय क्षेत्र के ज़ोन चार और पांच में हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस (आईआईएससी) के मुताबिक ये वो शहर हैं जहां आबादी का घनत्व बहुत सघन है और ये गंगा के मैदानी भाग हैं।

इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने यह भी कहा है कि सिस्मिक जोन-4 में आने वाली राजधानी दिल्ली भूकंप के बड़े झटके से खासा प्रभावित हो सकती है। अगर यहां 7 की तीव्रता वाला भूकंप आया तो दिल्ली की कई सारी इमारतें और घर रेत की तरह भरभराकर गिर जाएंगे। ऐसा इसलिए है, क्योंकि दिल्ली की इमारतों में इस्तेमाल होने वाली निर्माण सामग्री ऐसी है, जो भूकंप के झटकों का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम नहीं है। दिल्ली में मकान बनाने की निर्माण सामग्री ही आफत की सबसे बड़ी वजह है। दिल्ली में 1760 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियां हैं। इन अनधिकृत कॉलोनियों में गैर-इंजीनियरिंग इमारतें बनी हैं, जिनमें भूकंप प्रतिरोध क्षमता शायद ही हो।

भूकंप के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील और खतरनाक माने जाने वाले ज़ोन पांच में भारत का पूरा पूर्वोत्तर है। इनमें जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात के साथ उत्तरी बिहार के कुछ हिस्से और अंडमान निकोबार हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, दिल्ली, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात के कुछ हिस्से और महाराष्ट्र का कुछ भाग ज़ोन चार में है। गुजरात का भुज 2001 में भयावह तरीक़े से भूकंप की चपेट में आया था। इस भूकंप में 20 हज़ार लोग मारे गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2025 में आदेश दिया था कि ऐसी सभी इमारतें, जिनमें 100 या उससे अधिक लोग रहते हैं, उनके ऊपर भूकंप-रोधी होने वाली किसी एक श्रेणी का साफ़ उल्लेख होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश अन्य जनहित के आदेशों की तरह सरकारी फाइलों में दफन हो गया। अग्नि दुर्घटनाओं की तरह तो नहीं पर मोटे तौर पर सरकारों को इस बात का अंदाजा है कि देश के किन इलाकों में भूकंप आ सकता है। जिस देश में साफ नजर आने वाले खतरे की नेताओं और सरकारों को परवाह नहीं, उन्हें छिपे हुए अचानक आने वाले खतरों से देश के लोगों को बचाने की क्या परवाह होगी। देश में ऐसा एक भी राज्य नहीं है, जहां की किसी भी तरह की इमरातें, अग्नि दुर्घटनाओं से सुरक्षित हो, या उनमें अग्नि दुर्घटना होने पर बचाव के पूरे कानूनी प्रावधान हों, ऐसे में छिपे हुए अचानक आए खतरनाक भूकंप से बचाने के लिए इंतजाम भगवान भरोसे है।

होना तो यह चाहिए था कि इतने अग्निकांडों के बाद देश में सरकारों की नींद खुल जानी चाहिए थी। देश के जितने भी व्यवसायिक या निजी इमारतें हैं, उनमें आग से बचाव के इंतजामों की तत्काल जांच की जानी चाहिए थी। आग लगने पर लोगों की जान खतरे में डालने वाले ऐसे भवनों को तत्काल सील किया जाना चाहिए था। इससे भी महत्वपूर्ण जिन विभागों की अग्निश्मन के उपायों की जांच करने की जिम्मेदारी है, उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए थी। एक के बाद एक अग्नि दुर्घटनाएं होती रहीं किन्तु सरकारों की नींद नही खुली।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तेज विकास के बावजूद बढ़ रही हैं आर्थिक चुनौतियां, भारत की अर्थव्यवस्था पर नए सवाल

(पीएस वोहरा)

वर्तमान में भारत का निफ्टी आईटी सूचकांक 22 फीसद से अधिक गिर चुका है। यह कमजोरी केवल बाजार का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि एआई के क्षेत्र में तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बदलते वैश्विक परिदृश्य का संकेत भी है। सबसे ज्यादा प्रभाव भारतीय रुपये पर पड़ा है। अप्रैल 2025 में लगभग 85 रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर रहने वाली मुद्रा एक वर्ष के भीतर करीब 96 रुपए प्रति डॉलर तक पहुंच गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 के परिणामों ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी देश की आर्थिक क्षमता पर विश्वास को मजबूत किया है। मार्च 2026 को समाप्त आखिरी तिमाही में लगभग 7.8 फीसद की विकास दर दर्ज होना केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह उस आर्थिक लचीलेपन का प्रमाण है, जिसने अप्रत्याशित अमेरिकी शुल्क की अधिकतम दरों और फिर अमेरिका-इजराइल तथा ईरान युद्ध के बावजूद स्थिति को संभाले रखा। इन दोनों परिस्थितियों ने ऊर्जा संकट और वित्तीय निवेश संबंधी चिंताओं को बढ़ा दिया और यह स्थिति वर्तमान समय तक बनी हुई है। इन वैश्विक झटकों के बाद भी अगर भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपने विकास की गति को बनाए रखा है, तो यह आर्थिक नीतियों में भावी संभावनाओं के मद्देनजर किए गए बदलावों का असर हो सकता है, जैसे–जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाना और विभिन्न विकसित देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते। मगर इन सब प्रयासों के बीच कुछ ऐसे प्रश्न भी उभर रहे हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश की सकारात्मक तस्वीर को और मजबूती भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की हाल की मौद्रिक नीति समीक्षा से भी मिली है। आरबीआई ने एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए आर्थिक गतिविधियों को अनावश्यक दबाव से बचाने का प्रयास किया है। बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद रेपो दर को 5.25 फीसद पर स्थिर रखना यह संकेत देता है कि केंद्रीय बैंक केवल महंगाई को नहीं, बल्कि लोगों के हाथ में वित्तीय तरलता की आवश्यकताओं को भी समान महत्त्व दे रहा है। विशेष रूप से ऐसे समय में, जब पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में लगातार वृद्धि ने घरेलू बजट और व्यावसायिक लागतों पर दबाव बढ़ाया है। यह निर्णय अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्त्वपूर्ण सहारा माना जा सकता है। आरबीआई की ओर से विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के उद्देश्य से सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश पर पूंजीगत लाभ कर संबंधी सौ फीसद राहत का निर्णय भी नीतिगत दृष्टि से बहुत उल्लेखनीय माना जाना चाहिए। इससे अनुमानित पचास अरब डॉलर तक की विदेशी पूंजी भारतीय ऋण बाजार की ओर आकर्षित होगी। यह केवल निवेश का प्रवाह नहीं होगा, बल्कि रुपये की स्थिरता, विदेशी मुद्रा भंडार की मजबूती और दीर्घकालिक वित्तीय संतुलन की दिशा में भी एक अहम कदम साबित हो सकता है। आरबीआई के ये कदम यकीनन आने वाले वर्षों में रुपये के मूल्य में स्थिरता के लिए मजबूत नींव का काम करेंगे। अर्थव्यवस्था को लेकर कई सवालों पर गंभीरता से विचार की जरूरत है देश की अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक आंकड़ों और नीतिगत प्रयासों के बीच कुछ ऐसे सवाल भी उभर रहे हैं, जिन पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। मसलन, फरवरी 2026 में पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव और बाद में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को प्रभावित किया। युद्ध से पहले लगभग साठ डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहने वाला कच्चा तेल बढ़कर लगभग 110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। परिणामस्वरूप इसने देश का आयात खर्च बढ़ा दिया और उससे चालू खाता घाटा भी बढ़ेगा ही। वर्तमान समय के अनुमानों के अनुसार, इसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 1.50 फीसद तक पहुंचने की संभावना बन गई है, जिसे बजट में सरकार ने 0.50 फीसद के आसपास माना था। इसी कारण सरकार ने देश के नागरिकों से तेल का कम उपयोग करने तथा सोने की खरीद से एक साल तक परहेज करने की सलाह दी। फिर एकाएक सोने पर सीमा शुल्क 11 फीसद कर दिया और अब तक चार दफा पेट्रोल-डीजल के मूल्यों में बढ़ोतरी की। हालांकि यह बढ़ोतरी अभी तक दस रुपए प्रति लीटर से कम ही है, पर घरेलू गैस सिलेंडर के मूल्यों में एक बार 29 रुपए और फिर 60 रुपए भी बढ़ाए गए, जो महंगाई के रूप में आम जनता को प्रभावित कर रहा है। इसके अलावा, सबसे ज्यादा प्रभाव भारतीय रुपये पर पड़ा है। अप्रैल 2025 में लगभग 85 रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर रहने वाली मुद्रा एक वर्ष के भीतर करीब 96 रुपए प्रति डॉलर तक पहुंच गई। लगभग 13 फीसद की यह कमजोरी पिछले कई दशकों में देखे गए रुपये के प्रमुख अवमूल्यनों में से एक मानी जा सकती है। यही कारण है कि मजबूत विकास दर के बावजूद भारत की गिनती पुनः विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में की जाने लगी है।

रील के जुनून में रिश्ते क्यों हो रहे हैं कमजोर, शादी-ब्याह तक पहुंचा सोशल मीडिया का असर

आभासी दुनिया के अत्यधिक इस्तेमाल से लोग अब अपने वास्तविक सामाजिक और पारिवारिक जीवन से दूर होने लगे हैं। इससे जहां अकेलापन और संवादहीनता बढ़ती जा रही है, वहीं मौलिक सृजनात्मकता और भरोसे का संकट भी पैदा हो रहा है। यह केवल मानवीय मनोभावों के मोर्चे पर पिछड़ने का सवाल नहीं है, बल्कि स्क्रीन के संसार में उपस्थिति दर्ज करवाने की सनक संबंधों में दरार से लेकर हिंसक बर्ताव और आपराधिक घटनाओं तक, हर पहलू से घातक सिद्ध हो रही है।

(मोनिका शर्मा)

पिछले दिनों हरियाणा के कैथल में एक घटना सामने आई। यहां दुल्हन जयमाला की रस्म के दौरान बहुत देर तक नृत्य करने और सोशल मीडिया के लिए 'रील' बनाने में व्यस्त रही। बार-बार बुलाने के बाद भी दुल्हन जब मंच पर नहीं पहुंची, तो दूल्हा बिना शादी किए बारात लेकर लौट गया।'रील' बनाने का जुनून अपनी ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्थलों पर मौजूद अन्य लोगों के लिए भी असुरक्षा और असहजता का कारण बन रहा है।

आभासी दुनिया के अत्यधिक इस्तेमाल से लोग अब अपने वास्तविक सामाजिक और पारिवारिक जीवन से दूर होने लगे हैं। इससे जहां अकेलापन और संवादहीनता बढ़ती जा रही है, वहीं मौलिक सृजनात्मकता और भरोसे का संकट भी पैदा हो रहा है। यह केवल मानवीय मनोभावों के मोर्चे पर पिछड़ने का सवाल नहीं है, बल्कि स्क्रीन के संसार में उपस्थिति दर्ज करवाने की सनक संबंधों में दरार से लेकर हिंसक बर्ताव और आपराधिक घटनाओं तक, हर पहलू से घातक सिद्ध हो रही है।

'रील' बनाने का जुनून अपनी ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्थलों पर मौजूद अन्य लोगों के लिए भी असुरक्षा और असहजता का कारण बन रहा है। गांवों से लेकर महानगरों तक आभासी दुनिया के जाल में फंसे लोगों की सोच और मनोभाव किस दिशा में जा रहे हैं, इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

पिछले दिनों हरियाणा के कैथल में एक घटना सामने आई। यहां दुल्हन जयमाला की रस्म के दौरान बहुत देर तक नृत्य करने और सोशल मीडिया के लिए 'रील' बनाने में व्यस्त रही। बार-बार बुलाने के बाद भी दुल्हन जब मंच पर नहीं पहुंची, तो दूल्हा बिना शादी किए बारात लेकर लौट गया। देखने-सुनने में यह एक सहज घटना लगती है, पर वास्तव में यह सोशल मीडिया की लत की कड़वी हकीकत बताती है। हाल के वर्षों में ऐसी बहुत-सी घटनाएं आभासी मंच पर जीवन के हर पल को परोसने के जुनून में सामाजिक-पारिवारिक संस्कारों से बढ़ती दूरी को दर्शाती हैं।

सूखती संवेदनाओं के साथ ही 'रील' बनाने के मामले यहां तक कि जीवन छिन जाने और मुकदमेबाजी का कारण भी बन रहे हैं। कुछ समय पहले उत्तर प्रदेश में 'रील' बनाने से नाराज पति को छोड़कर एक महिला मायके चली गई। इस मामले का एक पक्ष यह रहा कि पुलिस को दी गई शिकायत में महिला ने ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। जांच में पता चला कि मामला सोशल मीडिया पर जरूरत से ज्यादा सक्रिय रहने के कारण उपजे आपसी मतभेद से जुड़ा था।

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि गिनती के पलों में कुछ विशेष परोसने के फेर में व्यक्तिगत जीवन में कुछ भी व्यक्तिगत नहीं रहा है। वैवाहिक आयोजन भी अब सोशल मीडिया में प्रचार का साधन बन गए हैं। ऐसे में बहुत से दूल्हा-दुल्हन आभासी दुनिया के लिए सामग्री तैयार करने में व्यस्त

रहते हैं और वास्तविक जीवन से जुड़े सगे-संबंधियों को भी नजरअंदाज कर देते हैं। तकनीक के फेर में फंसकर शादी के लम्हों को सहेजने से जुड़े पारंपरिक रीति-रिवाजों की असली रौनक और महत्त्व कम होते जा रहे हैं। विवाह के वीडियो के जरिए सोशल मीडिया में छा जाने का जुनून ऐसा है कि इसके लिए बाकायदा पहले से तैयारी की जाती है। दूल्हा-दुल्हन ही नहीं, बल्कि करीबी रिश्तेदार और मित्र भी ऐसे वीडियो की पहुंच और प्रभाव बढ़ाने के लिए आभासी दुनिया में नए चलन को लेकर सजग रहने लगे हैं।

इसके विपरीत पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत सार्थक संवाद के जरिए परिवारजनों से मिली छोटी-छोटी समझाइशें दिखावे से परे नए रिश्ते को मन से अपनाने की राह दिखाती हैं। शादी में शामिल होने आए सगे-संबंधियों से मेल-मिलाप के लिए समय निकालना सामाजिक परिवेश से जोड़ता है। मगर आज के समय में 'रील' बनाने की व्यस्तता स्नेह-शुभकामनाएं देने पहुंचे लोगों की उपेक्षा का कारण बन रही है।

यह समझना आवश्यक है कि विवाह समारोह में वरमाला हो या विदाई की रस्म, हर रिवाज के साथ बहुत से भावनात्मक और सांस्कृतिक पक्ष भी जुड़े होते हैं। मनोवैज्ञानिक अध्ययन भी बताते हैं कि संवेदनाओं के धरातल पर पारंपरिक रीति-रिवाजों को निभाने से मन में सकारात्मक जुड़ाव की अनुभूति को बल मिलता है।

इस सच्चाई को समझना जरूरी है कि सिर्फ चंद पलों को कैमरे में कैद कर लेने से उम्रभर के संबंध को मजबूती नहीं मिल पाती है। बिखरते वैवाहिक संबंधों के बढ़ते आंकड़े इस हकीकत को सामने रखते हैं। फिर भी जमीनी जुड़ाव और परंपरागत शैली में होने वाली भारतीय शादियों पर 'रील' की आभासी दुनिया हावी होती नजर आती है। शादी समारोह में सब कुछ सहेजकर संसार को दिखाने का जाने कैसा जुनून है कि कोने-कोने की सजावट, दूल्हा-दुल्हन की पोशाक, गहने, भोजन और मेहमानों तक को इसमें शामिल किया जाता है।

यह चिंताजनक है कि इंटरनेट की असीमित दुनिया से जुड़े जोखिमों के बावजूद लोग अपनी व्यक्तिगत जानकारियां भी आभासी दुनिया में साझा करने से गुरेज नहीं करते। अर्थहीन दिखावे के इस बोझ के नीचे दबकर असली जीवन का प्रेमपगा साथ गुम होता जा रहा है। 'स्क्रीन' में सब कुछ सहेजने के चलन में इंसानी मन ने कुछ सहेजना ही बंद कर दिया है। इसलिए वैवाहिक जीवन के द्वार पर दस्तक देते हुए 'रील' को आकर्षक और कलात्मक बनाने के बजाय भावी जीवन को सुंदर एवं स्नेहमयी बनाने की सोच जरूरी है।

अपनी खुशियों को खुद ही परेशानियों के स्याह घेरे में लाने वाले इस चलन पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है। तकनीक से घिरते जीवन में यह आवश्यक हो गया है कि मधुर स्मृतियों का लेखा-जोखा आभासी मंच पर नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन में मन के संदूक में संचित होना चाहिए। यह समझना मुश्किल नहीं है कि ऐसे भाव-चाव किसी वीडियो में समेटने भर के लिए नहीं होते। बिखरते सामाजिक मूल्यों और रिश्तों में बढ़ती कड़वाहट के मौजूदा हालात में आवश्यक है कि रीति-रिवाज, आपसी मेलजोल और संवाद का पुराना भाव फिर लौटे, ताकि जीवन के खास अवसरों पर दिखावे की चकाचौंध के बजाय आपसी स्नेह और सामाजिक-पारिवारिक मेल का भाव नजर आए।

जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का पुतला दहन

कवर्धा। पूर्व प्रदेश कांग्रेस कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की गिरफ्तारी के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी कबीरधाम द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नवीन जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने केंद्र और राज्य सरकार पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, संविधान और जनहित के मुद्दों के लिए हमेशा संघर्ष करती रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए जांच एजेंसियों का उपयोग करना लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है। कांग्रेस पार्टी अन्याय के खिलाफ जनता की आवाज बनकर खड़ी रहेगी। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सीमा अगम ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता बनी रहनी चाहिए और विपक्ष की आवाज को दबाने का हर प्रयास जनता के बीच उजागर किया जाएगा। जिला महामंत्री मनीष शर्मा ने कहा कि कांग्रेस जनता के मूल मुददों को लेकर लगातार संघर्ष कर रही है और राजनीतिक द्वेष की भावना से की जा रही कार्रवाई का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करती रहेगी। जिला कांग्रेस सचिव गोपाल चंद्रवंशी ने भी लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र एवं राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित कार्रवाई बंद करने की मांग की।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि इस प्रकार की कार्रवाई जारी रही तो पार्टी प्रदेशभर में आंदोलन को और तेज करेगी। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव वीरेंद्र जांगड़े, कवर्धा ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष मणिकांत त्रिपाठी, ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम साहू, लोहारा ब्लॉक अध्यक्ष सोखी साहू, बोड़ला ब्लॉक अध्यक्ष छवि वर्मा, प्रशांत परिहार, आकाश केशवानी, बृजेश चंद्रवंशी, जलेश्वर यादव, शिवप्रसाद वर्मा, मेहुल सत्यवंशी, वाल्मीकि वर्मा, अमन वर्मा, तुषार वर्मा, शिवेंद्र वर्मा, गोरेलाल चंद्रवंशी, सुजल ठाकुर, आशीष साहू, रूपेश साहू, बिट्टू यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने एकजुट होकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

उद्योगों के वृक्षारोपण कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी

रायपुर। राज्य में मानसून-2026 के दौरान प्रमुख औद्योगिक इकाइयों द्वारा संचालित एवं प्रस्तावित वृक्षारोपण गतिविधियों की समीक्षा तथा आगामी कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के लिए आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी की अध्यक्षता में 12 जुलाई 2026 को दोपहर 2:00 बजे बेबीलॉन कैपिटल, जी.ई. रोड, रायपुर में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में राज्य की प्रमुख मीडियम एवं लार्ज स्केल औद्योगिक इकाइयों के प्रेसिडेंट, वाइस प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर स्तर के प्रतिनिधि शामिल होंगे। बैठक में मानसून-2026 के दौरान किए जा रहे वृक्षारोपण कार्यक्रमों की प्रगति, उनके प्रभावी क्रियान्वयन, पौधों के संरक्षण एवं रखरखाव, निगरानी व्यवस्था तथा उद्योगवार एक्शन प्लान की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के सदस्य सचिव राजू अगसिमनी की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में औद्योगिक इकाइयों को व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण, पौधों के संरक्षण तथा पर्यावरणीय दायित्वों के प्रभावी निर्वहन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे।

उसी क्रम में अब विभागीय मंत्री ओ.पी. चौधरी स्वयं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर वृक्षारोपण अभियान की प्रगति की समीक्षा करेंगे तथा आगामी कार्ययोजना पर आवश्यक मार्गदर्शन देंगे। बैठक का उद्देश्य उद्योगों की सक्रिय सहभागिता से राज्य में हरित आवरण का विस्तार करना, पर्यावरण संरक्षण को और अधिक प्रभावी बनाना तथा वृक्षारोपण कार्यक्रमों के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करना है।

कोड़ेनार में 'तारुण्य वार्ता' कार्यक्रम का आयोजन, मासिक धर्म स्वच्छता पर दी गई जागरूकता

किरन्दुल। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोड़ेंनार क्रमांक 02 में तारुण्य वार्ता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मासिक धर्म स्व-स्वच्छता प्रबंधन और पीरियड से जुड़े मुद्दों पर खुलकर चर्चा की गई।इस दौरान शासकीय हाई स्कूल कोडनार क्रमांक 01 के छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए स्कूली बच्चों द्वारा नुक्कड नाटक एवं विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राचार्या आभा सिंह चौहान, गाइड कैप्टन अंजू साहू,स्काउट मास्टर सुव्रम गंगाराजू, पुष्पा सिंह, पूजा साहू सहित दन्तेवाड़ा के समस्त स्टाफ एवं सहयोगियों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोर-किशोरियों को स्वास्थ्य, स्वच्छता और आत्म-सम्मान के प्रति जागरूक करना था।

पंडरिया के सरकारी स्कूलों में पहुंचेगी मोबाइल साइंस लैब, छात्र सीखेंगे ड्रोन, एआई और रोबोटिक्स

कवर्धा। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के विद्यार्थियों को अब आधुनिक तकनीकी शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक नई पहल होने जा रही है। विधायक भावना बोहरा द्वारा जल्द ही भावना दीदी की साइंस पाठशाला मोबाइल इमर्जिंग टेक्नोलॉजी लैब का शुभारंभ किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों एवं सरस्वती शिशु मंदिरों के विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, ड्रोन, 3डी प्रिंटिंग, कोडिंग और वर्चुअल रियलिटी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मोबाइल लैब बस के माध्यम से पंडरिया विधानसभा के विभिन्न विद्यालयों तक पहुंचेगी, जहां पांच अनुभवी प्रशिक्षकों की टीम 3 से 5 दिनों की कार्यशाला आयोजित कर विद्यार्थियों को सैद्धांतिक के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी देगी। प्रशिक्षण के दौरान छात्र स्वयं ड्रोन उड़ाना, रोबोट संचालित करना, कोडिंग करना और 3ष्ठ मॉडल तैयार करना सीखेंगे। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा। प्रथम चरण में कक्षा 10वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ मिलेगा। इस पहल के जरिए प्रतिवर्ष पांच हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। विधायक भावना बोहरा ने कहा कि वर्तमान समय विज्ञान और तकनीक का युग है तथा ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी आधुनिक संसाधनों और तकनीकी शिक्षा से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं में अपार क्षमता है, जरूरत केवल उन्हें उचित अवसर प्रदान करने की है। उन्होंने बताया कि इससे पहले पंडरिया विधानसभा की छात्राओं के लिए निःशुल्क बस सेवा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग की शुरुआत की जा चुकी है। अब मोबाइल साइंस लैब के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीक आधारित शिक्षा से जोड़कर उन्हें नए अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। विधायक ने कहा कि इस योजना की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और आगामी दिनों में इसका शुभारंभ किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने किया कोतवाली थाना में ई-मालखाना का शुभारंभ, नवीन बस सहित चार वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

काकेर। -प्रदेश के लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेलकूद व युवा कल्याण मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री अरूण साव ने आज जिला प्रवास के दौरान सिटी कोतवाली थाने में ई-मालखाना का शुभारंभ किया, साथ ही जिला पुलिस को प्राप्त एक नवीन बस सहित चार वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उक्त ई-मालखाना क्यूआर कोड आधारित प्रदेश का पहला थाना है, जहां डिजिटल टैकिंग प्रबंधन प्रणाली को पारदर्शी, आधुनिकीकरण और सुव्यवस्थित ढंग से सरलीकृत किया गया है। उप मुख्यमंत्री साव आज अपरान्ह सिटी कोतवाली थाना पहुंचकर ई-मालखाना का शुभारंभ किया। साथ ही जब्तशुदा सामानों की ऑनलाइन टैकिंग प्रक्रिया की जानकारी ली। जिला पुलिस द्वारा की गई उक्त पहल की सराहना करते हुए इसे बेहतर व्यवस्था निरूपित किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने बताया कि ई-मालखाना प्रणाली एक आधुनिक डिजिटल प्रबंधन व्यवस्था है, जिसके माध्यम से अपराध के दौरान विभिन्न प्रकरणों में जब्त की गई संपत्तियों एवं दस्तावेजों का सुरक्षित, पारदर्शी एवं व्यवस्थित रिकॉर्ड रखा जाएगा। इस प्रणाली का उद्देश्य जब्त संपत्ति के रखरखाव को अधिक सुरक्षित, सुगम एवं जवाबदेह बनाना है, ताकि विवेचना एवं न्यायालयीन प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सामग्री को शीघ्रता से खोजकर प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि ई-मालखाना में जब्त किए गए वाहन, मोबाइल फोन, नकदी, हथियार, आभूषण, एनडीपीएस प्रकरणों से संबंधित सामग्री तथा अन्य केस प्रॉपर्टी का

डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाता है, जिससे प्रत्येक वस्तु का सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित डेटा उपलब्ध रहता है। उल्लेखनीय है कि जिला पुलिस कांकेर द्वारा अपराध के दौरान जब्तशुदा हथियार, उपकरण व सामान का रखरखाव की प्रबंधन प्रणाली को पारदर्शी, आधुनिकीकृत और जब्तशुदा हथियार, उपकरण व सामान का रखरखाव की प्रबंधन प्रणाली को पारदर्शी, आधुनिकीकृत और सुव्यवस्थित बनाने के लिए ई मालखाना का आगाज़ किया गया है, जिसमें संपूर्ण रिकॉर्ड ऑनलाइन किया जा रहा है। प्रत्येक बॉक्स के लिए क्यू आर कोड जनरेट किया गया है। बॉक्स में चस्पा क्यूआर कोड को स्कैन करते ही अपराध प्रकरण का विवरण, बॉक्स में बंद जब्त सामान की जानकारी संख्या और तिथि सहित मिल जाती है। साथ ही जब्त सामान या उपकरण जैसे मोबाइल, नकदी, हथियार, आभूषण, मादक द्रव्य, प्रॉपर्टी डॉक्यूमेंट्स आदि का डिजिटल रिकॉर्ड क्यू आर कोड की स्कैनिंग से आसानी से उपलब्ध हो जाता है। इससे डिजिटल अभिलेख और पेपरलेस वर्क भी आसान तरीके से मुहैया हो जाएगा। बताया गया कि प्रदेश में क्यूआर कोड के जरिए मालखाने का डिजिटाइजेशन का कार्य कांकेर पुलिस द्वारा प्रारंभ किया गया है।

प्रदेश के थानों में अब तक बार कोड स्कैनर की सुविधा थी, लेकिन क्यूआर कोड से डिजिटल मालखाना प्रबंधन प्रणाली पहली बार लागू की गई है। इस दौरान प्रभारी मंत्री साव द्वारा उत्कृष्ट सेवा देने वाले पुलिस जवानों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग, कांकेर विधायक आशाराम नेताम, छ.ग. हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण नरेटी तथा नगर पालिका परिषद कांकेर के अध्यक्ष अरुण कौशिक, उपाध्यक्ष उत्तम यादव तथा सतीश लाटिया, महेश जैन, आलोक ठाकुर, पूर्व विधायक सुमित्रा मारकोले सहित एएसपी आकाश श्रीमाल (भा.पु.से.), जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी, एएसपी योगेश साहू, दिनेश सिन्हा, डीएसपी मोहसिन खान, बिन्देश्वरी पिंदे तथा पुलिस स्टाफ और नागरिकगण उपस्थित थे।

नारायणपुर में मांझी-चालकी सम्मेलन, आदिवासी परंपराओं के संरक्षण पर जोर : केदार कश्यप

नारायणपुर। नारायणपुर जिले में जिला स्तरीय मांझी, चालकी, गायता, पटेल एवं पुजारी सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें परंपरागत आदिवासी नेतृत्व की भूमिका, सांस्कृतिक संरक्षण और जिले के विकास से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत संवाद हुआ। सम्मेलन के मुख्य अतिथि वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता तथा संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराएं और रीति-रिवाज अमूल्य धरोहर हैं, जिनका संरक्षण और संवर्धन वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मांझी, चालकी, गायता, पटेल और पुजारी जैसे परंपरागत नेतृत्व सामाजिक, धार्मिक और सामुदायिक व्यवस्था को सशक्त बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। शासन की विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में उनकी सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। कश्यप ने कहा कि लंबे समय तक नक्सल प्रभावित रहे नारायणपुर में अब सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है। इस परिवर्तन को स्थायी बनाने में परंपरागत नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने जिले की सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखने के लिए देवी-देवताओं के पारंपरिक स्थलों का चिन्हांकन कर उनके संरक्षण की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। सम्मेलन के दौरान परंपरागत जनप्रतिनिधियों के साथ जिले के विकास, सामाजिक एवं प्रशासनिक चुनौतियों, जनहित के मुद्दों तथा भविष्य की विकास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। समाज प्रमुखों ने स्थानीय समस्याओं और विकास संबंधी सुझाव भी प्रशासन के समक्ष रखे। इस अवसर पर राजस्व, शिक्षा और शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम ने परंपरागत नेतृत्व की भूमिका की सराहना करते हुए सामाजिक एकता और विकास में उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया। कलेक्टर नम्रता जैन ने कहा कि जिले में संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने मांझी, चालकी, गायता, पटेल एवं पुजारियों से जिले के समग्र विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा अपने अनुभव और सुझाव प्रशासन के साथ साझा करने का आग्रह किया। सम्मेलन में नगर पालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल, छोटे डोंगर की सरपंच संध्या पवार, नगर पालिका उपाध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष पिंकी उसेंडी, जनपद पंचायत ओरछा के अध्यक्ष नरेश कोर्राम, पुलिस अधीक्षक रॉबिंसन गुड़िया, जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त राजेंद्र सिंह सहित जिलेभर से आए मांझी, चालकी, गायता, पटेल, पुजारी और अन्य समाज प्रमुख उपस्थित थे।

तेंदूपत्ता संग्राहकों के चेहरे खिले, 40.72 करोड़ रुपए सीधे संग्राहकों के बैंक खातों में

42 हजार से अधिक तेंदुपत्ता संग्राहकों को मिला लाभ

सुकमा। जिले में तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वन विभाग ने रिकॉर्ड समय में भुगतान की प्रक्रिया को गति देते हुए अब तक ?40.72 करोड़ से अधिक की राशि सीधे संग्राहकों के बैंक खातों में अंतरित कर दी है। वर्ष 2026 में कुल 46,620 संग्राहकों के लिए ?46.04 करोड़ के भुगतान का प्रावधान किया गया है, जिसमें 88.45 प्रतिशत भुगतान पहले ही पूरा हो चुका है। इससे मानसून शुरू होने से पहले हजारों वनाश्रित परिवारों को आर्थिक संबल मिला है। डीएफओ श्री अक्षय भोंसले के अनुसार इस वर्ष सुकमा जिले में 83,710 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया। वन विभाग ने पूरी भुगतान प्रक्रिया को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (छ्ठ्ठ) प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी तरीके से संचालित किया है।

11 जुलाई 2026 तक 42,178 संग्राहकों के खातों में राशि सीधे पहुंच चुकी है, जबकि शेष पात्र हितग्राहियों का भुगतान भी जुलाई माह के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। तेंदूपत्ता से मिलने वाली आय सुकमा के ग्रामीण और वनाश्रित परिवारों की आर्थिक रीढ़ मानी जाती है। समय पर भुगतान मिलने से किसान खरीफ सीजन के लिए बीज, उर्वरक और कृषि उपकरण खरीद पा रहे हैं, वहीं अभिभावक बच्चों की स्कूल फीस, किताबें, गणवेश और अन्य शैक्षणिक जरूरतें भी आसानी से पूरी कर रहे हैं। करोड़ों रुपये सीधे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पहुंचने से स्थानीय बाजारों, छोटे व्यापारियों और सेवा क्षेत्र में भी आर्थिक गतिविधियां तेज हुई हैं। वन विभाग का कहना है कि शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करने के लिए शेष प्रक्रियाएं तेजी से पूरी की जा रही हैं। पारदर्शी व्यवस्था, समयबद्ध भुगतान और वनाश्रित परिवारों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की पहल ने सुकमा को तेंदूपत्ता भुगतान के क्षेत्र में एक प्रभावी और जनहितकारी मॉडल के रूप में स्थापित किया है, जिससे संग्राहकों का भरोसा भी लगातार मजबूत हो रहा है।

एनएमसी की मंजूरी से रायपुर मेडिकल कॉलेज में 20 एमबीबीएस सीटें बढ़ीं

रायपुर। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड (एमएआरबी) ने छत्तीसगढ़ के पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल (जेएनएम) मेडिकल कॉलेज, रायपुर की एमबीबीएस प्रवेश क्षमता में 20 सीटों की वृद्धि को मंजूरी दे दी है,जिसकी जानकारी आज विभाग ने दी। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कॉलेज में अब 230 के स्थान पर 250 छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा। एमएआरबी द्वारा 10 जुलाई को जारी अनुमति पत्र के अनुसार, पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेमोरियल हेल्थ साइंसेज एंड आयुष विश्वविद्यालय से संबद्ध जेएनएम मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस सीटों में वृद्धि की स्वीकृति प्रदान की गई है।

अनुकंपा नियुक्ति, राजस्व व्यवस्था और जेल में बंद आदिवासियों के मामलों को उठाया

उपमुख्यमंत्री से मिले श्रीनिवास रेड्डी व जानकी कोरसा, जनहित के मुद्दों पर की चर्चा

बीजापुर। बिते दिनों जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा और पूर्व सांसद प्रतिनिधि श्रीनिवास रेड्डी ने रायपुर में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात कर बीजापुर जिले से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति, राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार तथा नक्सल मामलों में जेलों में बंद आदिवासियों के प्रकरणों की समीक्षा की मांग रखी। मुलाकात के दौरान जानकी कोरसा ने कहा कि नक्सल हिंसा में परिजनों को खो चुके पात्र परिवारों को समयबद्ध तरीके से अनुकंपा नियुक्ति मिलनी चाहिए। उनका कहना था कि इससे प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल मिलने के साथ सामान्य जीवन की ओर लौटने में मदद मिलेगी। प्रतिनिधिमंडल ने राजस्व विभाग में आम लोगों को होने वाली परेशानियों का भी उल्लेख किया। नामांतरण, सीमांकन और अन्य राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के साथ व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई गई। बैठक में नक्सल मामलों में जेलों में बंद ऐसे आदिवासियों के प्रकरणों की निष्पक्ष समीक्षा कराने का आग्रह भी किया गया, जिनके संबंध में निर्दोष होने के दावे किए जाते रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने पात्र मामलों में शीघ्र कानूनी प्रक्रिया पूरी कर न्याय दिलाने और रिहाई सुनिश्चित करने की मांग की। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल की ओर से उठाए गए सभी विषयों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने का भरोसा दिया।

संक्षिप्त समाचार

नवपदस्थ कलेक्टर श्री विजय दयाराम के ने संभाला कार्यभार

रविवार शासकीय अवकाश के दिन जनसेवा की भावना के साथ किया पदभार ग्रहण

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले के नवपदस्थ कलेक्टर श्री विजय दयाराम के ने आज अपना कार्यभार ग्रहण किया। भारतीय प्रशासनिक सेवा वर्ष 2015 बैच के अधिकारी श्री विजय दयाराम के ने जनसेवा को सर्वोपरि मानते हुए रविवार के शासकीय अवकाश के दिन ही पदभार संभालकर अपने दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ किया। कलेक्ट्रेट पहुंचने पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे सहित जिला अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर श्री रावटे ने जिले की विशिष्ट पहचान एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा उत्पादित प्रसिद्ध विष्णुभोग चावल का पैकेट भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री दिलेराम डाहिरे, एसडीएम पेंड्रारोड श्री अमित बेग, जिला कोषालय अधिकारी श्री धर्मेंद्र सोनी सहित अन्य अधिकारियों ने भी पुष्पगुच्छ भेंट कर नवपदस्थ कलेक्टर का स्वागत किया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि श्री विजय दयाराम के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के आठवें कलेक्टर हैं। उनसे पूर्व श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, श्री डोमन सिंह, सुश्री नम्रता गांधी, सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, श्रीमती प्रियंका ऋषि महोबिया, श्रीमती लीना कमलेश मंडावी एवं डॉ. संतोष कुमार देवांगन जिले के कलेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर चुके हैं।

छग टीचर्स एसोसिएशन जीपीएम की जिला बैठक संपन्न हुआ....

संघीय सक्रियता एवं संगठन के विस्तार, पूर्व सेवा गणना करते हुए पूर्ण पेंशन की मांग प्रथम नियुक्ति तिथि से पेंशन निर्धारण,टीईटी, पदोन्नति, क्रमोन्नति, समयमान वेतन, ऑनलाइन उपस्थिति,पर हुई चर्चा।

जीपीएम : छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन जीपीएम की जिला बैठक 12 जुलाई रविवार को बीआरसी भवन गौरेला में प्रांतीय पदाधिकारी श्रीमती दुर्गा गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में प्रथम नियुक्ति तिथि से पेंशन निर्धारण हेतु पूर्व सेवा गणना की मांग के साथ- विकास खंड स्तर पर बैठक का आयोजन कर संगठनात्मक विस्तार के साथ, विभागीय टीईटी परीक्षा आयोजन की मांग, समयबद्ध पदोन्नति का क्रियान्वयन, क्रमोन्नति समयमान विकल्प का चयन , ड्रूरू ऐप पर उपस्थिति की अनिवार्यता पर रोक, शिक्षकों के लंबित स्वत्वों का समय पर भुगतान, सेवा पुस्तिका संधारण, आदि विषयों पर चर्चा कर निर्णय लिया गया। बैठक में जिला अध्यक्ष मुकेश कोरी जिला संयोजक ऋषिकेश मिश्रा,ब्लॉक अध्यक्ष गौरेला संजय नामदेव ब्लॉक अध्यक्ष पेंड्रा राकेश चौधरी, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती स्मिता गोवर्धन, श्रीमती गुलाब दुबे ,सह सचिव, मोती लाल राठौर , महासचिव चंदूलाल सिंगरौली, जिला पदाधिकारी गुलाब बंजारा, नरेश कुमार पात्र कृष्ण लाल राठौर संदीप कुमार जायसवाल सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने पहुंची नगर पंचायत उपाध्यक्ष नेहा सत्री बंसल

नियम विरुद्ध दुकान निर्माण कराए जाने व भ्रष्टाचार का लगाया आरोप,नगर पंचायत सीएमओ पर भी अभद्रता का आरोप लगा.

लखनपुर नगर पंचायत लखनपुर की कार्यप्रणाली वैसे तो हमेशा ही सवालों के घेरे में रहती है एक बार फिर नगर पंचायत की कार्यप्रणाली से अब नगर पंचायत विवादों में नजर आ रहा है।जहाँ आज सुबह 10 बजे के करीब स्थानीय लोगों की शिकायत पर नगर पंचायत उपाध्यक्ष नेहा सत्री बंसल लखनपुर के वार्ड क्रमांक 08 पुराना बसस्टैंड स्थित हमर क्लिनिक के पास चल रहे दुकान निर्माण कार्यों का जायजा लेने पहुंची। इस दौरान मौके पर उप अभियंता नगर पंचायत प्रदीप एक्का और नगर पंचायत के पार्षदगण ,नगर पंचायत कर्मचारी और स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे। वातावरण उस समय गहमा गहमी का हो गया जब कलेक्टर सरगुजा के आदेश अनुसार कार्य का नियम विरुद्ध होना पाया गया दरअसल सरगुजा कलेक्टर के 28 जुलाई 2025 की जारी आदेशानुसार अंबिकापुर बिलासपुर मुख्यमार्ग से 22.50मीटर छोड़ कर दुकानों का निर्माण किया जाना था परंतु जब नगर पंचायत के कर्मचारियों ने फीते के सहारे से मौके की जांच की तो मुख्य सड़क से महज 13 मीटर में ही निर्माण कार्य का होना पाया गया। नगर पंचायत उपाध्यक्ष ने तत्काल इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दूरभाष के माध्यम से अवगत करा मौके पर जाँच हेतु बुलाने का प्रयास किया गया परंतु नगर पंचायत सीएमओ ने साफ़ शब्दों में मौके पर जाने से मना कर दिया जिसके बाद मामले में विवाद और गहराता चला गया तथा उपस्थित सभी पार्षद इस बात का विरोध करते नजर आए कि आखिर नगर पंचायत द्वारा कलेक्टर सरगुजा की आदेश की अवहेलना करते हुए निर्धारित मानकों के अनुसार निर्माण कार्य क्यों नहीं कराया गया। निर्माण कार्य के संबंध में जब नगर पंचायत उपाध्यक्ष नेहा सत्री बंसल ने उपाभियंता प्रदीप एक्का से बात की तो उनका कहना था की इस कार्य का लेआउट कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल,सांसद चिंतामणि महाराज और अध्यक्ष सावित्री दिनेश साहू के समक्ष दिया गया है और सारे निर्माण कार्य नियमों को ध्यान में रख कर किए जा रहे हैं। उपअभियंता के इस तरह जवाब दिए जाने के बाद सभी पार्षदों एवं उपाध्यक्ष ने सीएमओ और उपाभियंता पर नियम विरुद्ध निर्माण कार्य कराये जाने सहित गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य कराए जाने के गंभीर आरोप लगाये। उपाध्यक्ष नेहा सत्री बंसल से जब मीडिया ने बात की तो उन्होंने कहा की स्थानीय निवासियों से मिली जानकारी के आधार पर वो आज निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंची थी जहाँ निर्माण कार्य नियम विरुद्ध तरीके से किया जाना पाया गया है। कलेक्टर के आदेशानुसार मुख्यमार्ग से 22.50 मीटर छोड़कर निर्माण कार्य किया जाना था परंतु नगर पंचायत सीएमओ और उपाभियंता के द्वारा महज 13 मीटर में ही उक्त निर्माण कार्य को कराया जा रहा था।उपाध्यक्ष ने नगर पंचायत सीएमओ पर अभद्रतापूर्वक व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि हमर लखनपुर का बोर्ड जो लखनपुर पार्क में लगाया गया है वो भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया गया है उसकी वास्तविक लागत उतनी नहीं हैं जितना की नगर पंचायत ने अपने बिल में बताया है साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बार बार बुलाने पर भी नगर पंचायत सीएमओ मौके पर नहीं पहुंचे और न ही उनसे अच्छे से बात की।

बालको अपने सामुदायिक उत्तरदायित्व का कर रहा है बखूबी से निर्वहन..........

कोरबा। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) द्वारा सोनपुरी ग्राम पंचायत में सामुदायिक भवन के लोकार्पण एवं पाढ़ीमार, बालकोनगर में सामुदायिक भवन के निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया। आयोजित उद्घाटन समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम वाणिज्यिक कर (आबकारी), श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन और बालको मुख्य कार्पोरेट अफेयर्स एवं प्रशासन अधिकारी कैप्टन धनंजय मिश्रा उपस्थित थे। वहीं पाढ़ीमार के सामुदायिक भवन के भूमि पूजन कार्यक्रम में मंत्री एवं कोरबा की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, बालकोनगर कन्नौजिया राठौर समाज के अध्यक्ष श्री जय राठौर, पार्षद हितानंद अग्रवाल एवं श्री रजत प्रसाद खूटे सहित अनेक स्थानीय जन प्रतिनिधि, बालको के अधिकारी और नागरिक मौजूद थे। श्री लखन लाल देवांगन ने सामुदायिक निर्माण कार्य के लिए बालको प्रबंधन को साधुवाद किया। बालको सीएसआर ने अपने प्रमुख सामुदायिक विकास पहल के तहत आधारभूत संरचना सोनपुरी पंचायत में एक सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य पूरा किया। साथ ही पाढ़ीमार में प्रस्तावित सामुदायिक भवन का भूमि पूजन हुआ, ये आधारभूत संरचना ग्रामीण व्यवस्था को मजबूत करने और क्षेत्र में सामुदायिक जीवन को ऊपर उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। सोनपुरी में नवनिर्मित सामुदायिक भवन सामाजिक समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सार्वजनिक बैठकों के लिए बेहतर स्थान के रूप में काम करेगा। इससे सोनपुरी पंचायत के समस्त ग्रामवासियों को लाभ मिलेगा। मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने बालको के सामुदायिक विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा बालको केवल औद्योगिक उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक दायित्वों का भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन कर रहा है। सामुदायिक भवन जैसे विकास कार्य ग्रामीणों के सभी सामाजिक आयोजनों और ग्राम विकास से जुड़े निर्णयों का महत्वपूर्ण केंद्र बनेंगे। बालको शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, सड़क, पेयजल, बिजली और रोजगार जैसे क्षेत्रों में निरंतर योगदान देकर स्थानीय समुदाय के जीवन को बेहतर बना रहा है। उद्योग और समाज के इस सहयोग से कोरबा के विकास को नई गति मिल रही है। उन्होंने ग्रामवासियों से आग्रह करते हुए कहा कि इस सामुदायिक भवन को अपनी संपत्ति मानकर इसकी देखरेख करें और इसका उपयोग गांव के समग्र विकास के लिए करें।

विकलांग महिला की घर में संदिग्ध परिस्थिति में मिली लाश परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

■ एसडीओपी पुलिस टीम के साथ पहुंचे मौके पर जांच शुरू

लखनपुर थाना क्षेत्र के कुन्नी पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम कोटबर्रा में विकलांग महिला के संदिग्ध परिस्थिति में घर में लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वहीं परिवार जनों के द्वारा हत्या के आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस अनुविभागीय अधिकारी तुल सिंह पट्टावी पुलिस टीम के साथ 12 जुलाई दिन रविवार को ग्राम कोटबर्रा घटनास्थल पर पहुंची और विभिन्न पहलुओं से जांच शुरू की है। 12 जुलाई दिन रविवार की शाम लगभग 4 बजे मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम सकरिया निवासी पावरों पैकरा का उम्र 35 वर्ष पैर से विकलांग थी। ग्राम कोटबर्रा के अमरूद मझवार उम्र 45 वर्ष से उसने प्रेम विवाह किया था। दोनों के तीन बच्चे है।शराब पीकर अमरूद मझवार अपनी पत्नी पवारों के साथ आय दिन लड़ाई झगड़ा किया करता था। 11 जुलाई दिन शनिवार की दोपहर लगभग 3.30 बजे परिवार जनों को सूचना मिली कि पावरों ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जब परिजनों घर पहुंचे तो तब तक मृतिका का पति और ससुर फांसी के फंदे से नीचे उतार लिया था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए सूक्ष्म जांच की मांग की है।सूचना मिलते ही 12 जुलाई दिन रविवार को पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच की जा रही है। साथ ही मृतिका के पति को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस के द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द किया गया। पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि महिला के मौत का खुलासा। इस संबंध में कुंडली पुलिस चौकी प्रधान आरक्षक बलभद्र सिंह ठाकुर से बात करने पर उनके द्वारा कहा गया की प्रथम दृष्टया में यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच में जुटी है।

किरायदारो के वेरिफिकेशन एवं मुसाफिरो की जांच हेतु सघन चेकिंग अभियान जारी, लगभग 750 व्यक्तियों का हुआ भौतिक वेरिफिक्केशन

■ अपराधों की रोकथाम एवं तगडी सुरक्षा व्यवस्था हेतु सरगुजा पुलिस द्वारा चलाया गया सघन चेकिंग अभियान, सैकड़ो किरायदारों से की गई पूछताछ।

अंबिकापुर/अपराधों की रोकथाम एवं जिले में सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के निर्देशन मे संदिग्धो की जांच पड़ताल कर किरायदारों का भौतिक सत्यॉपन एवं मुसाफिरो की जाँच कर मुसाफिरी दर्ज कराने एवं बिना सत्यॉयन छेत्र में घूम रहे अथवा रह रहे संदिग्धो का निर्वासन की कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था। निर्देशों के परिपालन में आज दिनांक को राजपत्रित पुलिस अधिकारियो के देखरेख में समस्त थाना/चौकी प्रभारियों एवं पुलिस टीमों द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान की कार्यवाही की गई, मुसाफिरो से सखूती से पूछताछ किया गया, मकान मालिकों को बिना सत्यापन मकान किराये पर नहीं देने एवं किराये में किसी व्यक्ति को मकान देने पर किराये में रहने वाले व्यक्ति की पूर्ण जानकारी मय पहचान पत्र एवं मोबाइल नंबर पूर्व पता स्थाई पता आदि थाना/चौकी में देने के सख्त निर्देश दिए गए। थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा सुभाषनगर, भगवानपुर, फुंदुरडिहारी, छेत्र मे थाना कोतवाली के नवागढ़, सत्तीपारा, थाना मणीपुर के बंजारी, लक्ष्मीपुर, मठपारा के साथ साथ ग्रामीण थाना क्षेत्रों में मौजूद तमाम ऐसे बस्तियों पर जहा बाहर से आकर निवास करने वालो की संख्या बहुतायत मे हैं ऐसे बस्तियों मे पुलिस टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया, अभियान के दौरान पुलिस टीम द्वारा लगभग 350 मकानों में लगभग 750 व्यक्तियों के पहचान पत्र के आवश्यक सत्यापन किया गया, सत्यापन पश्चात आस पास के निवासरत लोगो को अपने छेत्र मे बाहरी व्यक्तियों के निवास करने की सुचना तत्काल पुलिस को देने के निर्देश दिए गए, डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा द्वारा सभी थाना /चौकी प्रभारियों को निरंतर अभियान चलाकर बाहरी व्यक्तियों, किरायदारों के सत्यापन, मुसाफिर जांच कर संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने के निर्देश भी दिए गए है।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार हुए......

■ जमीन विवाद एवं घर बनाने की बात को लेकर विवाद करते हुए आरोपी द्वारा मृतक को लात मुक्का से गंभीर चोट कारित कर की गई हत्या।

अंबिकापुर/ मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि मर्ग क्रमांक 68/26 धारा 194 बी.एन.एस.एस.एस. के सूचक धुंधुराम मझवार साकिन ग्राम तिरकेला (दोगाडांडपारा) पुलिस चौकी कुन्नी थाना लखनपुर द्वारा चौकी कुन्नी आकर मर्ग इण्टीमेशन चाक कराया कि सूचक का चचेरा बड़ा भाई मृतक कामेश्वर मझवार साकिन ग्राम तिरकेला (ठेपापारा) पुलिस चौकी कुन्नी थाना लखनपुर को दिनांक 26/06/26 को लखनपुर अस्पताल में तबीयत खराब होने से ईलाज हेतु भर्ती किये थे जो बाद मे मेडिकल कालेज अस्पताल अम्बिकापुर में ले जाकर भर्ती कर ईलाज करा रहे थे कि दिनांक 27/06/26 को फौत हो गया है। सूचक द्वारा शंका व्यक्त किया गया था कि किसी व्यक्ति द्वारा मारपीट किये जाने के वजह से आयी चोट के कारण सूचक के चचेरे बड़े भाई की मृत्यु हुई है, सूचक के रिपोर्ट पर मर्ग इंटीमेशन चाक कर शव पंचनामा कार्यवाही में लिया गया। दौरान जांच विवेचना मृतक कामेश्वर मझवार के शव का पी.एम. कराया गया एवं पी एम रिपोर्ट प्राप्त होने पर अवलोकन किया गया जिसमे डॉ. साहब के द्वारा मृतक की मृत्यु हत्यात्मक प्रकृति का होना लेख किया गया था, साथ ही मर्ग जांच दौरान मर्ग के सूचक धुंधुराम मझवार का पूरक कथन लिया गया जो अपने कथन में बताया कि दिनांक 26/06/26 को कामेश्वर मझवार का फुटकु मझवार के साथ झगडा विवाद हुआ था, दौरान झगड़ा विवाद फुटकु मझवार लात मुक्का से कामेश्वर माझवार को मारपीट किया था, इसके बाद फुटकु मझवार कामेश्वर को ऐंबुलेंस से ईलाज के लिये लखनपुर अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया और कामेश्वर का ईलाज कराउंगा बोलकर अस्पताल से भाग गया था। कामेश्वर मझवार की मृत्यू फुटकु मझवार द्वारा मारपीट करने से हुई है। गवाहों का कथन एवं पी. एम. रिपोर्ट के आधार पर मामला सदर धारा पाये जाने पर प्रकरण में अपराध क्रमांक 186/26 धारा 103 (1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण के आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम फुटकू मझवार आत्मज स्व. बंधु मझवार उम्र 40 वर्ष साकिन तिरकेला ठेपापारा चौकी कुन्नी थाना लखनपुर का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध में पूछताछ किये जाने पर बताया कि जमीन विवाद व घर बनाने की बात को लेकर फुटकू मझवार घटना दिनांक 26/06/26 को कामेश्वर मझवार को गुस्से में आकर लात मुक्का से मारपीट किया था।

शाला प्रवेश उत्सव में गूंजा शिक्षा का उत्साह,मंत्री राजेश अग्रवाल ने नवप्रवेशी बच्चों का किया आत्मीय स्वागत

■ हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, शिक्षा ही समृद्ध भविष्य की सबसे मजबूत नींव है – श्री राजेश अग्रवाल

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज स्वामी आत्मानंद गवर्नमेंट अंग्रेजी माध्यम स्कूल, उदयपुर में आयोजित विकासखंड स्तरीय 'शाला प्रवेश उत्सव' में सहभागिता कर नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने बच्चों को मिठाई खिलाकर नवीन शैक्षणिक जीवन की शुभ शुरुआत कराई तथा अध्ययन सामग्री भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं की। इस अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि एक सशक्त, आत्मनिर्भर और संस्कारित समाज के निर्माण की आधारशिला है। हमें ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जहां प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा को निखारते हुए अपने सपनों को साकार कर सके। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व निर्माण की पाठशाला भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने, नियमित विद्यालय आने तथा जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अवलोकन किया और उनकी प्रतिभा की सराहना की। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए उन्हें निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने नवीन शैक्षणिक सत्र के अवसर पर सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकगण को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में परिवार और शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके सामूहिक प्रयासों से ही शिक्षित, जागरूक और सशक्त समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिंदू धर्म में मासिक शिवरात्रि व्रत का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में मासिक शिवरात्रि व्रत का खास महत्व है। हर महीने के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि व्रत रखा जाता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का विधान है। मान्यता है कि इस दिन सच्चे मन से व्रत करने और शिव-पार्वती जी का पूजन करने से व्यक्ति को मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। भगवान शंकर और मां पार्वती की कृपा से जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और संतान सुख का आशीर्वाद मिलता है। आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर ध्रुव और वृद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है। लेकिन इस दिन भद्रा का साया भी रहने वाला है। आइए जानते हैं कि ज्योतिष में ध्रुव और वृद्धि का क्या महत्व है और जुलाई में मासिक शिवरात्रि व्रत कब रखा जाएगा।

जुलाई में मासिक शिवरात्रि व्रत कब है:
हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 12 जुलाई को शाम 07 बजकर 59 मिनट पर प्रारंभ होगी और 13 जुलाई को दोपहर 03 बजकर 19 मिनट पर समाप्त होगी। शिवरात्रि पर भगवान शिव का पूजन निशिता काल मे अत्यंत शुभ माना जाता है। इसलिए मासिक शिवरात्रि का व्रत 12 जुलाई 2026 को मान्य होगा।

निशिता काल में शिव पूजन का समय क्या है:
मासिक शिवरात्रि पर शिव पूजन का निशिता काल 13 जुलाई को देर रात 01 बजकर 40 मिनट से रात 02 बजकर 13 मिनट तक रहेगा। पूजन की कुल अवधि 33 मिनट की है।

मासिक शिवरात्रि व्रत का पारण कब किया जाएगा:
मासिक शिवरात्रि व्रत का पारण 13 जुलाई 2026 को किया जाएगा। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, शिवरात्रि व्रत सूर्योदय से प्रारंभ होकर अगले दिन सूर्योदय तक मान्य होता है। इसलिए 13 जुलाई को सूर्योदय के बाद व्रत का पारण किया जा सकेगा। इस दिन सूर्योदय सुबह 06 बजकर 01 मिनट पर होगा।

ज्योतिष में ध्रुव और वृद्धि योग का महत्व:
मासिक शिवरात्रि के दिन वृद्धि योग शाम 04 बजकर 36 मिनट तक रहेगा। इसके बाद ध्रुव योग प्रारंभ होगा। मासिक शिवरात्रि पर ध्रुव और वृद्धि योग का अद्भुत संयोग दिन का महत्व बढ़ा रहे हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, वृद्धि योग का अर्थ है बढ़ोतरी या उन्नति। यह 27 योगों मे से 11वां सबसे शुभ योग माना जाता है। मान्यता है कि इस योग में शुरू किए गए कार्यों में सफलता मिलता है। ध्रुव योग 27 नित्य योगों मे से 12 शुभ योग है। ध्रुव योग का अर्थ है स्थिर और अचल। मान्यता है कि यह योग स्थिरता, धैर्य और दीर्घकालिक लाभ या सफलता प्राप्त करता है।

मासिक शिवरात्रि पर भद्रा का साया:
मासिक शिवरात्रि पर भद्रा का साया रहने वाला है। इस दिन भद्रा शाम 06 बजकर 59 मिनट पर प्रारंभ होगी और अगले दिन 13 जुलाई को सुबह 05 बजकर 09 मिनट पर समाप्त होगी। ज्योतिष मे भद्रा को शुभ कार्यों के लिए उत्तम नहीं माना जाता है। मान्यता है कि इस समय किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त नहीं होता है।

जूते-चप्पल से जुड़ी ये न करें गलतियां.

वास्तु शास्त्र हमारे घर की ऊर्जा को संतुलित रखने का प्राचीन विज्ञान है। इसमें हर छोटी-छोटी चीज का स्थान और दिशा महत्वपूर्ण मानी जाती है। जूते-चप्पल भी ऐसी ही वस्तु हैं, जो रोज इस्तेमाल होती हैं, लेकिन इन्हें गलत तरीके से रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है।

जूते-चप्पल क्यों होते हैं महत्वपूर्ण?

जूते-चप्पल बाहर की धूल-मिट्टी और नकारात्मक ऊर्जा को घर में ले आते हैं। वास्तु के अनुसार, ये चीजे मुख्य रूप से रजोगुणी और तमोगुणी होती हैं। अगर इन्हें सही जगह और सही तरीके से ना रखा जाए, तो घर की सकारात्मक ऊर्जा बाधित हो जाती है। इससे लक्ष्मी का प्रवेश रुक सकता है और घर में बेचैनी बढ़ सकती है। इसलिए इनकी देखभाल और रखरखाव पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

जूते इधर-उधर बिखेरने की गलती

घर मे जूते-चप्पल बिखरे रहना आम बात है, लेकिन यह गलत आदत बहुत खतरनाक है। इससे घर की सकारात्मक ऊर्जा बिखर जाती है। वास्तु के मुताबिक, इससे आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है, परिवार मे अनावश्यक झगड़े बढ़ते हैं और सदस्यों में बेचैनी रहती है। मेहनत करने के बावजूद सफलता नहीं मिल पाती है। इसलिए हर सदस्य को आदत डालनी चाहिए कि जूते बाहर या निर्धारित जगह पर ही रखे जाएं।

किचन में जूता पहनकर जाना

किचन घर की पवित्र जगह मानी जाती है। यहां जूता या चप्पल पहनकर जाना वास्तु दोष पैदा करता है। इससे अग्नि तत्व प्रभावित होता है और परिवार के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। वास्तु विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि किचन के लिए अलग चप्पल रखें या डोरमेट का इस्तेमाल करें। इस नियम का पालन करने से घर की समृद्धि बनी रहती है।

उत्तर और पूर्व दिशा में जूते रखना

जूते-चप्पल उत्तर या पूर्व दिशा मे रखना वास्तु के अनुसार अत्यंत अशुभ है। ये दिशाएं देवी लक्ष्मी और सूर्य से जुड़ी हैं। यहां जूते रखने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और धन-समृद्धि प्रभावित होती है। अगर संभव हो तो जूते का रैक दक्षिण-पश्चिम या पश्चिम दिशा मे रखें। इससे घर की ऊर्जा संतुलित रहती है।

अलमारी का इस्तेमाल

जूते खुले रैक मे रखना भी वास्तु दोष बढ़ाता है। इससे नकारात्मक ऊर्जा पूरे घर मे फैलती है। बंद अलमारी या कैबिनेट का इस्तेमाल करें। इससे जूतों की गंदगी और बुरी ऊर्जा बाहर नही निकल पाती है। वास्तु में बंद जगह को जूते रखने के लिए बेहतर माना जाता है।

गंदे या उल्टे जूते रखना

घर मे गंदे जूते रखना नकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित करता है। साथ ही जूते उल्टे रखने से घर के सदस्यों की सोच पर बुरा असर पड़ता है। इससे बीमारी और दुख बढ़ सकते हैं। जूते हमेशा साफ करके और सीधे रखें। घर की शांति बनाए रखने के लिए इन नियमों का पालन जरूर करना चाहिए।

मुख्य दरवाजे के पास जूते उतारना

घर के मुख्य द्वार के पास जूते-चप्पल का ढेर लगाना बहुत बड़ी गलती है। इससे घर मे प्रवेश करने वाली सकारात्मक ऊर्जा रुक जाती है। परिवार में मतभेद बढ़ते हैं और शांति भंग होती है। मुख्य द्वार से थोड़ी दूरी पर जूते रखने की जगह बनाएं। इससे घर मे सकारात्मकता बनी रहती है।

कमरे में जूते का रैक रखना

जूते का रैक बेडरूम या किसी अन्य कमरे मे रखना वास्तु के नियमों के खिलाफ है। इससे वैवाहिक जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। जूते का स्टैंड हमेशा घर के बाहर या मुख्य दरवाजे के पास ही रखना चाहिए।

रविवार को जूते खरीदना या मरम्मत करवाना

रविवार को जूते खरीदना या पुराने जूते की मरम्मत करवाना अशुभ माना जाता है। इस दिन सूर्य देव की पूजा पर ध्यान दें। जूते संबंधी काम दूसरे दिन करें।

सही आदत अपनाकर घर की शांति बनाए रखें

जूते-चप्पल से जुड़ी छोटी-छोटी गलतियां भी घर की ऊर्जा को प्रभावित करती हैं। इन्हें सुधारकर आप वास्तु दोष से बच सकते हैं और घर में सुख-समृद्धि बनाए रख सकते है।

डिस्क्लेमर: इस आलेख में दी गई जानकारियों के पूर्णतया सत्य एवं सटीक होने का हम दावा नहीं करते हैं। विस्तृत और अधिक जानकारी के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

आज का राशिफल

मेष राशि - व्यापार और व्यवसाय मे प्रतिस्पर्धा का लाभ मिल सकता है। आत्मविश्वास और मानसिक उत्साह बना रहेगा। पारिवारिक मामलों मे सुधार होगा तथा नौकरी और सरकारी कार्यों में अनुकूल वातावरण मिलेगा। धार्मिक कार्यों में खर्च बढ़ सकता है। कामकाजी महिलाओं के लिए यह सप्ताह विशेष रूप से लाभदायक रहेगा।

वृषभ राशि - अपनी बात स्पष्ट रूप से रखने की आवश्यकता है। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें और किसी पर अत्यधिक भरोसा करने से बचें। परिवार में चल रहे मतभेद कम हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। धार्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी और उन पर खर्च भी हो सकता है।

मिथुन राशि - लोगों के प्रभावशाली व्यक्तियों से संपर्क बढ़ेंगे। कारोबार विस्तार की दिशा में सकारात्मक अवसर मिल सकते हैं। साहसिक प्रयासों से विरोधियों पर विजय मिलेगी। आर्थिक उन्नति के नए रास्ते खुलेंगे। नौकरी और राजनीति से जुड़े लोगों की व्यस्तता बढ़ सकती है।आर्थिक लाभ और आय में वृद्धि के संकेत हैं। शिक्षा, तकनीक और निवेश से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन सहयोग भी प्राप्त होगा।

कर्क राशि - अधिकारियों और वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र मे सफलता के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। सरकारी कार्यों मे लाभ के संकेत है। हालांकि व्यापार में मंदी के कारण आर्थिक दबाव महसूस हो सकता है। संपत्ति संबंधी मामलो मे भागदौड़ बढ़ेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। शत्रु से सतर्क रहें।

सिंह राशि - क्रोध पर नियंत्रण रखने की सलाह दी जाती है। प्रियजनों और बच्चों के साथ विवाद की स्थिति बन सकती है। दैनिक कार्यों मे व्यस्तता बनी रहेगी। दूसरों की सलाह पर आंख मूंदकर निर्णय लेने से बचें। नौकरी और राजनीतिक क्षेत्र मे परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। आर्थिक योजनाओं मे धन का निवेश हो सकता है। पड़ोसियों से किसी बात पर मतभेद की संभावना है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। परिवार, बच्चों की शिक्षा और धार्मिक गतिविधियों से जुड़ी खुशखबरी मिल सकती है।

कन्या राशि - सामाजिक और पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। आपके विचार और कार्यशैली लोगों को प्रभावित करेंगे। जीवनसाथी और प्रियजनों का सहयोग मिलेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। चल-अचल संपत्ति से लाभ मिलने के योग हैं। अपना व्यवहार संयमित रखकर काम करें। मानसिक बेचैनी रहेगी। मित्रों की मदद से समस्या का समाधान हो सकेगा। समय का सदुपयोग होगा।आप भविष्य की सुखद योजनाओं पर चर्चा कर सकते हैं।

तुला राशि- सार्वजनिक क्षेत्र मे सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। नई योजनाओं को गति मिलेगी। परिवार में उत्साहपूर्ण माहौल बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी छोटी समस्या कुछ दिनों तक परेशान कर सकती है। व्यापारिक यात्रा और नई मित्रता लाभदायक सिद्ध होगी।आपके पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी लव लाइफ मे साथी के साथ तालमेल बहुत ही सुंदर रहेगा और आपसी प्रेम गहरा होगा। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा है, ऊर्जा का स्तर ऊंचा बना रहेगा।

वृश्चिक राशि - लोगों को इस सप्ताह कई अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक कार्यक्रमों मे भाग लेने का मौका मिलेगा। यश और सम्मान में वृद्धि होगी। कार्यस्थल पर नई योजनाएं बनेंगी। नौकरीपेशा लोगों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां मिल सकती हैं तथा कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। पारिवारिक समस्याएं सूझबूझ से निपटाएं। कार्य में सहयोग मिलेगा। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मेहनत का सकारात्मक फल मिलेगा।

धनु राशि- पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। मित्रों से उपयोगी सलाह मिल सकती है। नए अनुभव जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएंगे। शत्रु पक्ष से सावधान रहने की आवश्यकता है। नौकरी और राजनीतिक क्षेत्र मे परिस्थितियां अनुकूल बनी रहेंगी। व्यापार की चिंता रहेगी। आपसी विचार-विमर्श लाभप्रद रहेगा। आशानुरूप स्थिति बनेगी। स्वास्थ्य में पेट या पाचन से जुड़ी समस्याओं के प्रति सचेत रहें और हल्का भोजन लें। कल आपको धैर्य रखने की बहुत अधिक आवश्यकता है।

मकर राशि - अति आत्मविश्वास से बचना चाहिए। कुछ निर्णयों मे बदलाव करना पड़ सकता है। पैतृक संपत्ति से जुड़े मामलों मे सफलता मिलने के संकेत हैं। साझेदारी के कार्य लाभ देंगे। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रमाद न करें।आप दोनों एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन सामान्य है, बस नियमित खान-पान का ध्यान रखें।

कुंभ राशि- स्वास्थ्य मे सुधार होगा। दूर की यात्रा के योग बन रहे हैं। रोजगार और करियर मे प्रगति के अवसर मिल सकते हैं। व्यापारिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान दें। किसी पारिवारिक विषय को लेकर चिंता रह सकती है। सरकारी कार्यों मे लापरवाही न करें। अनसोचे कामों में हाथ नहीं डालें। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। स्वास्थ्य मे सुधार आएगा और आप नई स्फूर्ति का अनुभव करेंगे।

मीन राशि- कारोबार और प्रतियोगी परीक्षाओं मे सफलता मिलने की संभावना है। किसी व्यक्ति के कारण कार्यों मे बाधा आ सकती है, इसलिए सतर्क रहें। अधिकारियों से बातचीत मे संयम रखें। धार्मिक कार्यों के प्रति झुकाव बढ़ेगा और किसी सम्मानित व्यक्ति के स्वास्थ्य को लेकर चिंता हो सकती है।चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें। झंझटों में न पड़ें। आय में कमी होगी।

ईयर ड्रॉप्स का सही इस्तेमाल

इन्फेक्शन से बचने के लिए जानें जरूरी बातें

कान में दर्द, हल्के-फुलके इंफेक्शन और ईयरवैक्स को ढीला करने के लिए ईयर ड्रॉप सबसे बेहतर सॉल्यूशन है। चाहे ओवर द काउंटर इसे खरीदा जाए या फिर डॉक्टर की सलाह पर, इसे यूज करते समय कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना बहुत अहम है। तो आइए जानते हैं ईयर ड्रॉप को सही तरीके से कैसे इस्तेमाल करना है और किन बातों से बचना है।

ऐसे करें यूज

हथेलियों से रगड़ें: कान में ईयर ड्रॉप डालने से पहले उसकी बोटल को हथेलियों के बीच अच्छी तरह रगड़ें, ताकि वो वॉर्म हो जाए। कोल्ड ईयर ड्रॉप डालने से चक्कर जैसा महसूस हो सकता है।

कान को खींचें: ड्रॉप्स डालने से पहले कान के ऊपरी हिस्से को हल्के से खींचें, इससे ड्रॉप सीधे ईयर कैनाल में अंदर तक चला जाएगा।

सिर को झुकाएं: अपने सिर को इस तरह से झुकाएं, जिससे प्रभावित कान ऊपर की तरफ रहे। ग्रेविटी की वजह से ड्रॉप आसानी से कान के अंदर तक जा सकेगा।

ड्रॉप डालने के बाद: ड्रॉप डालने के बाद ईयर कैनाल के आगे के हिस्से को हल्के से खींचें। ग्रेविटी और हल्के दबाव की वजह से ड्रॉप तुरंत ही अंदर चला जाएगा और आपको लंबे समय तक एक तरफ सिर झुकाए रखने की जरूरत नहीं होगी।

पानी से बचें: ईयर ड्रॉप्स इस्तेमाल करने के दौरान अपने कान को पानी से धोएं नहीं। इससे इन्फेक्शन बढ़ सकता है और हीलिंग की गति धीमी हो सकती है।

ये गलतियां न करें
ड्रॉपर के टिप को अपने कान या हाथ से टच करना, जरूरत से ज्यादा ईयर ड्रॉप इस्तेमाल करना, गलत ईयर ड्रॉप डालना, कान के हर दर्द को एक ही मानना, ईयर बड से कान साफ करना, ट्रीटमेंट के दौरान पानी से कान साफ करना, इन्फेक्शन ठीक होने से पहले ही एंटीबायोटिक ड्रॉप बंद कर देना

ड्राई शैम्पू के इस्तेमाल का सही तरीका

आपका शेड्यूल बेहद बिजी है या आप कहीं ऐसी जगह पर जहां हेयर वॉश करने का मौका ना मिल पाए तो ड्राई शैम्पू एक बेहतर ऑप्शन हो सकता है। इसके लिए न तो आपको पानी की जरूरत है और न ही घंटों बाथरूम में बिताने की। यह रेगुलर हेयर वॉश को रिप्लेस तो नहीं करता लेकिन बालों को तरोताजा करने में आपकी मदद कर सकता है। ड्राई शैम्पू क्या है और इसे कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है, जानते हैं।

कब इस्तेमाल करें ड्राई शैम्पू
यह आपको रेगुलर शैम्पू न करने की थोड़ी मोहलत दे देता है। इसे आप अपने रेगुलर शैम्पू की जगह इस्तेमाल नहीं कर सकते। बालों के ज्यादा ऑयली या डल लगने से पहले आप इसे यूज कर सकते हैं। अगर आप हेयर वॉश को लेकर कंफ्यूजन में हैं तो भी यह आपके काम आ सकता है।

ऐसे लगाएं
अपने बालों की जड़ों पर थोड़ी दूरी से इसे स्प्रे करें। आपको ओवरडू करने की जरूरत नहीं।
इसे लगाने के बाद थोड़ी देर इंतजार करें, क्योंकि ड्राई शैम्पू को ऑयल एब्जॉर्ब करने में कुछ मिनटों का समय लगता है।
शैम्पू लगाने के बाद बालों को जोर-जोर से रगड़े नहीं। इससे रिजल्ट अच्छे नहीं मिलेंगे।
बालों को ड्राई करने के लिए हेयरड्रायर को कोल्ड मोड पर ही चलाएं। हीट की वजह से बाल चिपचिपे हो सकते हैं।
बालों के हर सेक्शन में ड्राई शैम्पू को लगाने के बाद अच्छी तरह कंघी करें ताकि वह हर हिस्से में एकसमान रूप से फैल जाए।

इन बातों का ध्यान रखें
लगातार ड्राई शैम्पू का इस्तेमाल करने से बचें, वरना स्कैल्प पर इसकी परत जमा हो सकती है।
यह हेयर वॉश के बीच में बालों को रिफ्रेश करने का तरीका है हेयर वॉश छोड़ने का नहीं।
लाइट फॉर्मूला वाले ड्राई शैम्पू ही यूज करें जो बालों पर हल्के हों। ऐसा शैम्पू चुनें जो जड़ों पर सफेद निशान ना छोड़े और बालों में शाइन लाए।
ज्यादा ड्राई, कर्ली हेयर या सेंसिटिव स्कैल्प वालों को ड्राई शैम्पू करने से बचना चाहिए।
बालों को छोटे-छोटे सेक्शन में बांटकर ही शैम्पू लगाएं इससे बालों के हर हिस्से तक यह आसानी से पहुंच जाएगा।

ये हैक फॉलो करें

गले से खुलकर नहीं गिरेगी सोने की चेन

गोल्ड चेन एक ऐसी ज्वैलरी है, जिसे अक्सर लोग डेली वियर में पहनते हैं। कहीं शादी-फंक्शन में भी जाना हो तो ये बेसिक ज्वैलरी तो जरूर ही पहनी जाती है। लेकिन इसे पहनते हुए एक डर हमेशा लगा रहता है, वो है इसके गिर जाने का। कई बार इसका लॉक ठीक से बंद नहीं हो पाता है या हल्की सी खींचतान से ही चेन खुल जाती है। इस वजह से अक्सर लोग सोने की चेन पहनना अवॉइड करते हैं कि कहीं वो खुलकर गिर ना जाए। नॉर्मली अगर आप गोल्ड चेन का लॉक लगाते हैं, तो ये डर हमेशा बना ही रहेगा। ऐसे में एक खास ट्रिक को फॉलो कर के आप चेन को सिक्योर कर सकते हैं। इस तरह से सोने की चेन को लॉक करेंगे तो वो कभी भी आपके गले से खुलकर नहीं गिरेगी। आइए जानते हैं ये हैक क्या है-

चेन का लॉक नॉर्मल तरीके से बंद करें
सोने की चेन पहनते हुए अगर आपको भी ये डर लगा रहता है कि कहीं ये खुलकर गिर ना जाए, तो ये सिंपल सा हैक फॉलो करें। इससे आपकी चेन अच्छी तरह से लॉक हो जाएगी। इसके लिए आपको बस एक छोटा सा सिलिकॉन ईयर स्टॉपर लेना होगा। आप किसी भी ईयरिंग्स का सिलिकॉन स्टॉपर इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले चेन का लॉक नॉर्मल तरीके से बंद करें, फिर स्टॉपर को इसकी क्लैस्प में फंसाते हुए लगा दें। ये स्टॉपर लॉक के ऊपर एक्स्ट्रा पकड़ बनाने का काम करता है, जिससे इसके खुलने की संभावना ना के बराबर हो जाती है।

आपको क्यों ट्राई करना चाहिए ये हैक
अगर आप डेली वियर में गोल्ड चेन पहनते हैं, ऑफिस वगैरह जाते है या बच्चों के साथ रहते हैं; तो ये हैक आपको जरूर ट्राई करना चाहिए। इसे करने में मुश्किल से कुछ सेकेंड लगते हैं लेकिन गोल्ड चेन अच्छी तरह लॉक हो जाती है। फिर इसके खुलकर गिरने की टेंशन आपको नही लेनी पड़ती।
खासकर डेली चेन पहनने से इसपर थोड़ा ज्यादा दबाव पड़ता है, जिस वजह से कई बार ऐसी घटना हो जाती है। इसलिए बेस्ट है कि आप ये छोटी सी चीज पहले ही कर के रख लें।

ये बातें ध्यान में रखना बेहद जरूरी हैं। ध्यान रखें कि ये हैक सिर्फ एक्स्ट्रा सेफ्टी के लिए है। अगर आप गोल्ड चेन का लॉक ढीला हो रहा है या खराब है, तो उसे समय रहते रिप्लेस जरूर करवा लें। गले से चेन गिरने के ज्यादातर मामले तभी होते हैं, जब उसका लॉक खराब हो और ध्यान ना दिया जाए। डेली वियर में अगर आप गोल्ड चेन पहनते हैं, तो बीच बीच में उसका लॉक जरूर चेक करते रहें। जरा सा भी डाउट हो तो तुरंत ज्वेलर्स के पास ले जा कर लॉक को रिपेयर करा लें।

दो वार्डों में 25 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात महापौर ने किया नाली-पुलिया निर्माण का भूमिपूजन

गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्यों पर महापौर की सख्ती, कमी मिलने पर तत्काल सूचना देने नागरिकों से की अपील

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत विकास कार्यों को गति देते हुए महापौर अलका बाघमार ने वार्ड क्रमांक 8 तकिया पारा एवं वार्ड क्रमांक 25 गायत्री मंदिर वार्ड में नाली एवं पुलिया निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, मनीष साहू, काशीराम कोसरे, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, नीलेश अग्रवाल, पार्षद खालिक रिजवी, पार्षद मनीषा सोनी, गुलाब वर्मा, उपअभियंता प्रेरणा दुबे,अपर्णा मिश्रा सहित वार्ड के नागरिकगण उपस्थित रहे। वार्ड क्रमांक 8 तकिया पारा में 15 लाख रुपए की लागत से तथा वार्ड क्रमांक 25 गायत्री मंदिर वार्ड में 10 लाख रुपए की लागत से नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य किया जाएगा। दोनों वार्डों में कुल 25 लाख रुपए के विकास कार्यों से नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी और जल निकासी व्यवस्था मजबूत होगी। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शहर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि निर्माण कार्य के दौरान यदि किसी प्रकार की कमी या अनियमितता दिखाई दे तो तत्काल कार्य को रुकवाकर इसकी सूचना दें। गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई की जाएगी। महापौर ने बताया कि निगम क्षेत्र के सभी 60 वार्डों में संबंधित इंजीनियरों को पार्षदों के साथ निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त पुलिया एवं आवश्यक निर्माण कार्यों का सर्वे कर प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आवश्यकता के अनुसार विकास कार्यों को प्राथमिकता से कराया जा सके। इस अवसर पर वार्डवासियों ने विकास कार्यों की स्वीकृति एवं भूमिपूजन के लिए महापौर का आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर ने मोतिमपुर एवं अंजोरा ढ़ाबा समूह जल प्रदाय योजनाओं का किया निरीक्षण

आगामी एक माह के भीतर शिवनाथ नदी का शुद्ध पेयजल पहुंचेगा 103 गांवों के हर घर

दुर्ग। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध एवं सतत पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कलेक्टर अभिजीत सिंह ने धमधा विकासखंड के मोतिमपुर तथा दुर्ग विकासखंड के अंजोरा ढ़ाबा समूह जल प्रदाय योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया।

इस दौरान कलेक्टर ने इंटेकवेल, वाटर ट्रीटमेंट (फिल्टर) प्लांट तथा संपूर्ण जलापूर्ति व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आगामी एक माह के भीतर दोनों योजनाओं से नियमित जलापूर्ति प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने दोनों वाटर ट्रीटमेंट प्लांटों में चल रही ट्रायल रन एवं टेस्टिंग प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने प्लांट में शिवनाथ नदी के पानी के शुद्धिकरण की पूरी प्रक्रिया को देखा तथा जल गुणवत्ता परीक्षण की प्रगति की जानकारी ली। दोनों परियोजनाओं में शिवनाथ नदी से इंटेकवेल के माध्यम से पानी लाकर फिल्टर प्लांट तक पहुंचाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। वर्तमान में नदी का पानी फिल्टर प्लांट तक पहुंच रहा है, जहां उसका शुद्धिकरण किया जा रहा है। इसके बाद शुद्ध पेयजल को पाइपलाइन के माध्यम से गांवों में निर्मित टंकियों तक पहुंचाया जाएगा और वहां से प्रत्येक घर में नल कनेक्शन के जरिए पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। धमधा विकासखंड के मोतिमपुर में शिवनाथ नदी पर इंटेकवेल तथा गोबरानवा में 6.5 एमएलडी क्षमता के आधुनिक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया गया है। इस योजना से 53 गांवों को शुद्ध पेयजल की नियमित आपूर्ति मिलेगी। वहीं दुर्ग विकासखंड की अंजोरा ढ़ाबा समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत भेड़सर-गनियारी शिवनाथ नदी से पानी लाकर 8.5 एमएलडी क्षमता के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में शुद्ध किया जा रहा है, जिससे 50 गांवों के ग्रामीण लाभान्वित होंगे। दोनों योजनाओं के तहत पाइपलाइन, जल टंकियों एवं गांवों तक पेयजल पहुंचाने की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं भी पूरी कर ली गई हैं।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को जीवन रक्षक एचपीवी वैक्सीन

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में 13 जुलाई 2026 से 18 जुलाई 2026 तक विशेष अभियान के तहत जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल सुपेला, सिविल अस्पताल नगपुरा जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सभी शहरी एवं ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में लगाया जाना प्रस्तावित है। दुर्ग जिले का एचपीवी वैक्सीन लक्ष्य 18715 है आज दिनांक तक 4131 बालिकाओं एचपीवी वैक्सीन लगा जो कि 22 प्रतिशत है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने बताया गया कि स्तन कैंसर के बाद महिलाओं में सबसे अधिक सर्वाइकल कैंसर से मृत्यु होती है अतः बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करने हेतु एचपीवी वैक्सीन अत्यधिक प्रभावी है। यह वैक्सीन अभी 14 वर्ष से 15 वर्ष के बीच की होगीं उन्हीं बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाया जायेगा। उपरोक्त सभी संस्थाओं में प्रातः 9.00 बजे से 5.00 बजे तक वैक्सीन लगाया जायेगा। भविष्य में बच्चेदानी के मुंह का कैंसर से बचाव के लिये अभिभावकों को अपने बच्चियों को वैक्सीन लगाना होगा। यह एचपीवी वैक्सीन विगत कई वर्षो से विश्व के बहुत से देशों में तथा भारत में प्राइवेट डॉक्टरों द्वारा लगाया जा रहा है यह अत्यधिक मूल्यवान वैक्सीन है पर शासन द्वारा यह निःशुल्क लगाई जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी ने सभी प्राइवेट व सरकारी स्कूलों के प्राचार्यो, जनप्रतिनिधियों, पार्षदगण, स्वयंसेवी संस्थाओं, पंचों, सरपंचों, वार्ड पार्षदों पत्रकार बंधुओं एवं समस्त जनता से अपील की है कि इस अभियान में अपनी संकल्पित भागीदारी निभायें। जिला स्वास्थ्य समीति बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी को सभी शैक्षणिक संस्थाओं में 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगवाने के लिए अभिभावको से अनुमति प्राप्त कर शत् प्रतिशत टीकाकरण करने निर्देशित किया गया है। एचपीवी वैक्सीन हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी कर दिया गया है।तथा जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा समस्त प्राचार्यो को भी बालिकाओं के सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखते हुए टीकाकरण में पूर्ण सहयोग हेतु निर्देशित किया गया है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर दुर्ग जिले में चला व्यापक विधिक जागरूकता अभियान

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के परिपालन में विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में आज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा शासकीय माध्यमिक शाला, कोलिहापुरी एवं पुलगांव उच्च माध्यमिक शाला में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी विरेन्द्र सिंह, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी आरती ध्रुव एवं व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी प्रियंका गोस्वामी तथा लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम (LADCS) के दो काउंसलर विशेष रूप से उपस्थित रहे।पुलगांव उच्च माध्यमिक शाला में आयोजित कार्यक्रम में न्यायाधीशों का विद्यालय परिवार द्वारा भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात उन्होंने विद्यार्थियों को विश्व जनसंख्या दिवस के इतिहास, उद्देश्य एवं महत्व से अवगत कराया। इसके साथ ही कानून के प्रति जागरूकता, यातायात नियमों के पालन, कैरियर निर्माण तथा पॉक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्रदान की। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक और ओटीपी साझा करने के खतरों के बारे में भी जागरूक किया गया तथा साइबर फ्रॉड से बचाव के उपाय बताए गए।शासकीय माध्यमिक शाला, कोलिहापुरी में आयोजित शिविर में LADCS के काउंसलरों ने विद्यार्थियों को विश्व जनसंख्या दिवस के महत्व, नशामुक्ति, गुड टच एवं बैड टच तथा बाल संरक्षण संबंधी कानूनों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने, बिना हेलमेट एवं वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलाने तथा साइबर अपराधों से सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अनेक प्रश्न पूछे, जिनका उपस्थित न्यायाधीशों एवं काउंसलरों ने सरल एवं प्रेरणादायक ढंग से उत्तर दिया। इसके अतिरिक्त विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अध्यक्ष के0 विनोद कुजूर एवं सचिव उमेश कुमार भागवतकर के मार्गदर्शन में पैरालीगल वालेंटियर्स द्वारा दुर्ग जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भी जागरूकता शिविर आयोजित कर नागरिकों को जनसंख्या संतुलन एवं उससे जुड़े सामाजिक विषयों के प्रति जागरूक किया गया।समग्र रूप से यह अभियान विद्यार्थियों एवं आमजन में विधिक जागरूकता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा सुरक्षित एवं स्वस्थ जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक संपन्न जल प्रदाय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न जल प्रदाय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर सिंह ने जिले में प्रगतिरत सात समूह जल प्रदाय योजनाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजनाओं का लाभ समय पर ग्रामीणों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत विकासखंड धमधा में ब्लॉक स्तरीय जल परीक्षण प्रयोगशाला के लिए भूमि आवंटन पर भी सहमति प्रदान की गई। इस प्रयोगशाला के स्थापित होने से धमधा विकासखंड के सभी ग्रामों में पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच एवं परीक्षण की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी, जिससे सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। बैठक में विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

संभागीय वित्त एवं लेखा प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग में नए प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ, राज्य स्तरीय टॉपर हुए सम्मानित

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग अंतर्गत संचालित संभागीय वित्त एवं लेखा प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग में जुलाई से अक्टूबर 2026 तक के नवीन लेखा प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अपर संचालक (कोष एवं लेखा) डॉ. अल्पना घोष ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्राचार्य गिरीश देवांगन ने बताया कि संस्थान के शुरुआती दो प्रशिक्षण बैचों ने राज्य स्तरीय परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। साथ ही, 60 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर अग्रिम वेतन वृद्धि (एडवांस इंक्रीमेंट) की पात्रता हासिल करने वाले सर्वाधिक कर्मचारी भी इसी संस्थान से रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संभागीय संयुक्त संचालक (कोष, लेखा एवं पेंशन) विवेक कुमार मिश्रा ने जुलाई 2025 में स्थापित संस्थान की उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि अल्प समय में संस्थान ने गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने प्रशिक्षकों एवं व्याख्याताओं को इस सफलता के लिए बधाई दी। मुख्य अतिथि डॉ. अल्पना घोष ने कहा कि लेखा प्रशिक्षण शासकीय एवं अर्धशासकीय विभागों के कर्मचारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने के साथ-साथ वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और नियमों के प्रभावी पालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने नवप्रवेशी प्रशिक्षुओं से समर्पण और मेहनत के साथ प्रशिक्षण लेकर उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्य स्तरीय परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले कर्मचारी टोमिन साहू एवं खेमलाल साहू को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उप संचालक देवेंद्र चौबे, वरिष्ठ व्याख्याता सबरीना सिंह, व्याख्याता कैलाश साहू सहित संस्थान के अधिकारी, प्रशिक्षक एवं नवप्रवेशी प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

गनियारी के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल को मिलेगा पद्मविभूषण डॉ. तीजन बाई का नाम, एमआईसी ने सर्वसम्मति से पारित किया प्रस्ताव

भिलाई-चरौदा। छत्तीसगढ़ की अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोक कलाकार एवं पद्मविभूषण स्वर्गीय डॉ. तीजन बाई की स्मृति को चिरस्थायी बनाने की दिशा में नगर पालिक निगम भिलाई-चरौदा ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। निगम की महापौर परिषद (एमआईसी) की बैठक में वार्ड क्रमांक 40 गनियारी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का नाम पद्मविभूषण स्व. डॉ. तीजन बाई के नाम पर रखने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर राज्य शासन को भेजने की अनुशंसा की गई। निगम मुख्यालय स्थित महापौर कक्ष में आयोजित एमआईसी की बैठक महापौर निर्मल कोसरे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने एकमत से यह प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को विश्व पटल पर स्थापित करने वाली महान कलाकार को यह सम्मान नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। महापौर निर्मल कोसरे ने कहा कि स्वर्गीय डॉ. तीजन बाई केवल छत्तीसगढ़ की नहीं, बल्कि पूरे देश की सांस्कृतिक धरोहर थीं। उन्होंने पंडवानी कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाई। गनियारी गांव से उनका विशेष जुड़ाव रहा है और उन्होंने अपने जीवन का लंबा समय यहीं व्यतीत किया। महापौर ने कहा, यह हमारे लिए गर्व और सम्मान का विषय है कि भिलाई-चरौदा नगर निगम क्षेत्र की धरती ने डॉ. तीजन बाई जैसी महान विभूति को अपने सान्निध्य में रखा। गनियारी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का नाम उनके नाम पर रखे जाने से आने वाली पीढ़ियां उनके संघर्ष, कला साधना और उपलब्धियों से प्रेरणा लेंगी। उन्होंने आगे बताया कि निगम द्वारा गनियारी में लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से एक आधुनिक एवं भव्य ऑडिटोरियम का निर्माण कराया जा रहा है। इस ऑडिटोरियम का नाम भी स्वर्गीय डॉ. तीजन बाई के नाम पर रखा जाएगा, जिससे यह क्षेत्र सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन सके। निगम आयुक्त दशरथ सिंह राजपूत ने कहा कि डॉ. तीजन बाई का जीवन संघर्ष, समर्पण और कला साधना का अद्भुत उदाहरण है।

सेवा सेतु केंद्र बना खुशियों का आधार, दोनों बच्चों को समय पर मिला ऑनलाइन जाति प्रमाण पत्र

दुर्ग। शासन की जनहितकारी पहल सेवा सेतु केंद्र आम नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं को सरल, सुगम और समयबद्ध बना रही है। अब लोगों को आवश्यक प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। इसका लाभ दुर्ग जिले के ग्राम भोथली निवासी नोवेंन्द्र कुमार निषाद के परिवार को भी मिला। नोवेंन्द्र कुमार निषाद ने वर्षों पहले अपना ऑफलाइन जाति प्रमाण पत्र बनवाया था, जिसके आधार पर उनके बच्चों ने प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। समय के साथ उच्च शिक्षा और रोजगार के लिए ऑनलाइन जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता हुई। उनकी बड़ी बेटी एकता निषाद ने रस्तोगी नर्सिंग होम से बी.एससी. नर्सिंग की शिक्षा प्राप्त की है, वहीं उनके पुत्र हरीश कुमार निषाद ने अंजोरा स्थित अपोलो कॉलेज से डी.फार्मा का अध्ययन पूरा किया है। अब दोनों अपने करियर की नई शुरुआत करने की तैयारी कर रहे हैं, जिसके लिए ऑनलाइन जाति प्रमाण पत्र अनिवार्य था। नोवेंन्द्र कुमार निषाद ने सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से दोनों बच्चों के जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें बिना किसी परेशानी के दोनों बच्चों के ऑनलाइन जाति प्रमाण पत्र समय पर प्राप्त हो गए। प्रमाण पत्र मिलते ही पूरे परिवार के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। अब दोनों बच्चे बिना किसी बाधा के नौकरी और अन्य शासकीय अवसरों के लिए आवेदन कर सकेंगे। नोवेंन्द्र कुमार निषाद ने बताया कि पहले ऐसे दस्तावेज बनवाने के लिए कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती थी।

महापौर ने वार्ड 59 हरिनगर में किया सघन निरीक्षण, नागरिकों की समस्याएं सुन निराकरण के दिए निर्देश

नाली, सड़क और मूलभूत सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को मौके पर ही दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत महापौर अलका बाघमार ने आज वार्ड क्रमांक 59 हरिनगर क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आयुक्त सुमित अग्रवाल, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, स्थानीय पार्षद नीलम शिवेंद्र परिहार एवं निगम अधिकारियों के साथ वार्ड के मुख्य मार्गों सहित विभिन्न गलियों का भ्रमण कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। महापौर ने हरिनगर शिव मंदिर रोड, हैरिटेज स्कूल क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों में पहुंचकर सड़क, नाली एवं साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नागरिकों ने नाली निर्माण, सड़क व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं से महापौर को अवगत कराया। महापौर ने कहा कि जिन क्षेत्रों में अभी तक नालियों का निर्माण नहीं हुआ है, वहां आवश्यकता अनुसार प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करें, ताकि जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके और नागरिकों को राहत मिल सके। महापौर ने नालियों के ऊपर किए गए अतिक्रमण को लेकर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि अतिक्रमण के कारण नालियों की नियमित सफाई में बाधा उत्पन्न होती है, जिससे जलभराव एवं स्वच्छता संबंधी समस्याएं बढ़ती हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नाली के ऊपर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे रखे बिल्डिंग मटेरियल एवं रेत के कारण आवागमन बाधित पाए जाने पर महापौर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सामग्री जब्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मार्गों पर किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार नहीं की जाएगी, नागरिकों को सुगम आवागमन उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। महापौर ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार और नागरिकों की समस्याओं का समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। निगम प्रशासन लगातार वार्डों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहा है, ताकि मौके पर ही समस्याओं का चिन्हांकन कर उनका समाधान किया जा सके।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड- 490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com